website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 246 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 14 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत और अमेरिका टैरिफ पर बातचीत के जरिए कर लेंगे समझौता

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कॉर्पोरेट जगत को उम्मीद है कि भारत और अमेरिका टैरिफ पर बातचीत के जरिए समझौता कर लेंगे। फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइडर एमके द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रमुख उद्योग जगत के लीडर्स ने कहा कि अमेरिकी प्रशासन के फैसले से प्रभावित प्रबंधन को उम्मीद है कि भारत से अमेरिकी आयात पर अंतिम टैरिफ कम दर पर तय होगा।

कॉर्पोरेट हितधारकों के अनुसार, 21 दिनों की ऑफ-रैंप अवधि से भारत और अमेरिका के बीच बातचीत के जरिए समझौता हो जाना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी बाजार में सबसे ज्यादा निवेश करने वाली कंपनियों के लिए आकस्मिक योजनाएं हैं, जिनमें उत्पादन को दूसरे भौगोलिक क्षेत्रों में स्थानांतरित करना शामिल है, हालांकि ऐसे कदमों को लागू करने में समय लगेगा।

वक्ताओं ने भारत की दीर्घकालिक विकास कहानी पर जोर दिया। डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने वैल्यू चेन में आगे बढ़ने और विकास की गति को बनाए रखने की महत्वाकांक्षाओं को रेखांकित किया।

कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन के अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई ने इस बारे में जानकारी दी कि कैसे सीबीसी की पहल सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में दक्षता बढ़ा रही है। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि अगर टैरिफ 50 प्रतिशत पर बना रहता है, तो इससे परिसंपत्ति गुणवत्ता पर विशेष रूप से कपड़ा और एमएसएमई निर्यातकों पर संभावित दबाव पड़ेगा।

वक्ताओं के अनुसार, लीडर्स को उम्मीद है कि सरकार इस प्रभाव को कम करने के लिए संभावित ऋण गारंटी योजना सहित लक्षित उपाय करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि व्यापार संबंधी मुद्दों के अलावा, भारत के घरेलू बाजार के लिए सेंटीमेंट सकारात्मक बना हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर विवेकाधीन श्रेणियों तक सभी क्षेत्रों की प्रबंधन टीमों ने मांग में सुधार के शुरुआती संकेत दिए हैं और एक मजबूत त्योहारी सीजन और वित्त वर्ष 26 की दूसरी छमाही के लिए तैयारी कर रही हैं।

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि ऋणदाताओं ने इस दृष्टिकोण का समर्थन किया है और वित्त वर्ष 26 के अंत में खुदरा क्षेत्रों में मजबूत ऋण वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि कॉर्पोरेट ऋण को बॉन्ड बाजार से लगातार प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है।

इस बीच, सरकार अभी भी वाशिंगटन के साथ भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर चर्चा में शामिल है, जिसका उद्देश्य टैरिफ स्थिरता और दीर्घकालिक व्यापार पूर्वानुमान के माध्यम से व्यापार और निवेश का विस्तार करना है।

स्वतंत्रता दिवस पर मेट्रो सेवाएं सुबह 4 बजे से शुरू होंगी- डीएमआरसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 15 अगस्त को सुबह 4 बजे से मेट्रो सेवाएं शुरू होंगी। इस बात की जानकारी बुधवार को दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) की ओर से दी गई है। डीएमआरसी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर सभी लाइनों पर ट्रेन सेवाएं सुबह 4 बजे से शुरू होंगी ताकि लाल किले पर आयोजित होने वाले समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों, आमंत्रितों और आम जनता की आवाजाही सुगम हो सके। डीएमआरसी की सलाह के अनुसार, सुबह 6 बजे तक ट्रेनें 30 मिनट के अंतराल पर चलेंगी, जिसके बाद बाकी दिन भर नियमित समय सारणी का पालन किया जाएगा।

सुबह 6 बजे तक सभी लाइनों पर 30 मिनट के अंतराल पर ट्रेन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी और उसके बाद, शेष दिन नियमित समय सारणी का पालन किया जाएगा

दिल्ली मेट्रो ने एक बयान में कहा, "शुक्रवार, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथियों, आमंत्रितों और आम जनता की सुविधा के लिए, दिल्ली मेट्रो अपनी सभी लाइनों पर सभी टर्मिनल स्टेशनों से सुबह 4 बजे अपनी सेवाएं शुरू करेगी। सुबह 6 बजे तक सभी लाइनों पर 30 मिनट के अंतराल पर ट्रेन सेवाएं उपलब्ध रहेंगी और उसके बाद, शेष दिन नियमित समय सारणी का पालन किया जाएगा।" स्वतंत्रता दिवस के विशेष मेहमान, जिनके पास रक्षा मंत्रालय का वैध निमंत्रण कार्ड होगा, उन्हें दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा प्रदान किए गए विशेष क्यूआर टिकट के माध्यम से मेट्रो में आने-जाने की सुविधा मिलेगी। इन यात्रियों का मेट्रो किराया रक्षा मंत्रालय द्वारा डीएमआरसी को भुगतान किया जाएगा।

दिल्ली मेट्रो के अलावा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से भी 15 अगस्त को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें कुछ पाबंदियां लागू की गई हैं

लाल किला, जामा मस्जिद और दिल्ली गेट मेट्रो स्टेशन समारोह स्थल के सबसे नजदीक हैं। दिल्ली मेट्रो के अलावा दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से भी 15 अगस्त को लेकर एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें कुछ पाबंदियां लागू की गई हैं। 13 अगस्त को लेकर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया गया। पोस्ट में लिखा, "13 अगस्त, 2025 को स्वतंत्रता दिवस ड्रेस रिहर्सल के दृष्टिगत, दिल्ली यातायात पुलिस यात्रियों को इन मार्गों का प्रयोग न करने और उल्लिखित समय पर वैकल्पिक मार्गों को प्रयोग करने की सलाह देती है।

पुणे कोर्ट में वकील ने कहा- राहुल गांधी की जान को खतरा, कांग्रेस ने बयान से जताई असहमति

पुणे । सावरकर मानहानि केस की सुनवाई के दौरान बुधवार को राहुल गांधी के वकील मिलिंद पवार ने पुणे एमपी/एमएलए स्पेशल कोर्ट में लिखित सूचना देकर कहा कि "वोट चोरी" का मामला उजागर करने के बाद राहुल गांधी की जान को खतरा बढ़ गया है। उन्होंने कोर्ट से अपील की कि शिकायतकर्ता का संबंध नाथूराम गोडसे के परिवार से है, इसलिए केस की निष्पक्ष सुनवाई के लिए राहुल को प्रिवेंटिव प्रोटेक्शन दी जाए, जो राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है। मामले में कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने X (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि राहुल गांधी के वकील ने यह बयान उनकी सहमति के बिना कोर्ट में दिया है, और राहुल को इस पर घोर आपत्ति है। उन्होंने बताया कि यह बयान गुरुवार को कोर्ट से वापस लिया जाएगा।

वकील पवार ने कोर्ट में कहा कि बीजेपी नेता आरएन बिट् ने राहुल को आतंकवादी कहा था, जबकि बीजेपी नेता तरविंदर मारवाह ने धमकी दी थी कि अगर राहुल ने "सही व्यवहार" नहीं किया तो उनका अंजाम उनकी दादी इंदिरा गांधी जैसा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता सत्यकी का संबंध सावरकर और गोडसे परिवार से है और वह अपने प्रभाव का दुरुपयोग कर सकते हैं। सावरकर मानहानि केस में आरोप है कि राहुल गांधी के बयान से हिंदू समुदाय का अपमान हुआ। राहुल ने कहा था — "सच्चा हिंदू कभी हिंसक नहीं होता, नफरत नहीं फैलाता। बीजेपी नफरत और हिंसा फैलाती है।" मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को होगी।

बिहार चुनाव में अपनी हार देख कांग्रेस झूठे आरोप लगा रही- अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने 'मतदाता सूची' को लेकर विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया है। अनुराग ठाकुर ने दावा किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी हार देखकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आत्मचिंतन करने की बजाय कांग्रेस ने हर हार के बाद नया बहाना ढूंढने का काम किया।

अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी का नेतृत्व है

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर आरोपों के बाद भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, "अगर किसी के नेतृत्व में 90 बार चुनाव हारने का रिकॉर्ड है, तो वह राहुल गांधी का नेतृत्व है। जब चुनाव हारते हैं, तो वे ईवीएम पर सवाल उठाते हैं या मतदाताओं को दोष देते हैं। पार्टी के भीतर भी राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठाए जाते हैं।"

कांग्रेस ने आत्मचिंतन नहीं किया

अनुराग ठाकुर बोले, "कांग्रेस ने पहले कहा कि ईवीएम मशीन के साथ हेराफेरी होती है, ईवीएम बैन करो, बैलेट पेपर लाओ। फिर कहा ईवीएम को रिमोटली हैक किया जा सकता है। फिर कहा वीवीपैट 100 प्रतिशत चेक सुनिश्चित करो। कांग्रेस ने आत्मचिंतन नहीं किया, लेकिन ईवीएम से लेकर संवैधानिक संस्थाओं तक पर आरोप लगाती रही। अब बिहार चुनाव हारता हुआ देख पहले ही विपक्षी दलों के साथ मिलकर झूठे आरोप लगाने में जुटी है।"

धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे

भाजपा सांसद ने आगे कहा, "कुछ कांग्रेस के लोग कह रहे थे राहुल गांधी और विपक्ष के नेताओं ने बवंडर खड़ा किया, लेकिन यह बवंडर नहीं 'ब्लंडर' है। मैं राहुल गांधी को यही कहूंगा, धूल चेहरे पर थी और आप आईना साफ करते रहे।"

कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर 'वोट चोरी' की दुकान चलाई थी

अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाए कि कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर 'वोट चोरी' की दुकान चलाई थी। कांग्रेस और सीपीआई ने मिलकर संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को चुनावों में हराने का काम किया। इस चुनावी भ्रष्टाचार की नींव 1952 के पहले चुनाव से कांग्रेस ने रखी थी। 74,333 वोट खारिज किए गए थे, जबकि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सिर्फ 14,561 वोट से हारे थे। कांग्रेस ने संविधान निर्माता और एक दलित नेता को पहले ही चुनाव में निपटाने का काम किया। चुनावों में धांधली करके कांग्रेस ने उन्हें हराया।

अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी से सवाल पूछा कि आपको किस बात का डर है?

अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी से सवाल पूछा कि आपको किस बात का डर है? आप हलफनामा नहीं देते, सबूत नहीं देते, झूठे आरोप लगाते हैं और भाग जाते हैं। उन्होंने कहा, "चुनाव के दौरान भ्रम फैलाना आपका तरीका बन गया है। बार-बार सबूत देने के अनुरोध के बावजूद, आपने मतदाता सूची के मुद्दे को संवैधानिक संस्थाओं के सामने उठाने से परहेज किया। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी ने इसका पालन नहीं किया।"

मॉस्को में 21 अगस्त को एस. जयशंकर रूस के विदेश मंत्री से करेंगे मुलाकात, रक्षा और कूटनीति पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर 21 अगस्त को रूस के मॉस्को मे रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात 15 जुलाई को हुई उस बैठक के बाद हो रही है, जब जयशंकर और लावरोव ने शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर बातचीत की थी।

इससे पहले, जून के अंत में चीन के किंगदाओ में आयोजित एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके रूसी समकक्ष आंद्रे बेलोउसोव के बीच मुलाकात हुई थी। इस बैठक में एस-400 मिसाइल सिस्टम की आपूर्ति, सुखोई-30 एमकेआई के अपग्रेड और जरूरी सैन्य उपकरणों की तेज़ी से खरीद जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई थी।

इस बीच रूस के विदेश मंत्रालय ने 'एक्स' पर पोस्ट करके बताया कि जयशंकर- लावरोव के मुलाकात के दौरान द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े अहम मुद्दों और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के पहलुओं पर चर्चा होगी। एस. जयशंकर और लावरोव ने इस साल 6 जुलाई को रियो डी जनेरियो में आयोजित 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भी मुलाकात की थी। यह सम्मेलन ब्राजील की मेजबानी में हुआ था, जिसमें ब्रिक्स देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ नए सदस्य मिस्र, इथियोपिया, ईरान, यूएई और इंडोनेशिया भी शामिल हुए थे।

इस साल फरवरी में भी दोनों नेता जोहान्सबर्ग में मिले थे, जहां उन्होंने भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, मई में डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि के नेतृत्व में एक सर्वदलीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल रूस गया था। यह दौरा भारत के वैश्विक आउटरीच कार्यक्रम 'ऑपरेशन सिंदूर' का हिस्सा था, जिसमें भारत की आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति दोहराई गई थी।

इन बैठकों से साफ है कि भारत और रूस अपने संबंधों को कूटनीतिक, रक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर लगातार मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं।

यूपीआई लेनदेन में 8 वित्तीय वर्षों में 114 प्रतिशत का उछाल- केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में डिजिटल भुगतान में सर्वाधिक लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), पिछले आठ वित्तीय वर्षों में तेजी से बढ़ा है। संसद में दी गई एक जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2017-18 में यूपीआई लेनदेन 92 करोड़ थे, जो 2024-25 में बढ़कर 18,587 करोड़ हो गया। यह 114 प्रतिशत की सालाना औसत वृद्धि दर (CAGR) को दर्शाता है। इसी दौरान, यूपीआई से किए गए भुगतानों का कुल मूल्य 1.10 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 261 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि जुलाई 2025 यूपीआई के लिए ऐतिहासिक रहा, क्योंकि इस महीने पहली बार 1,946.79 करोड़ से ज्यादा लेनदेन हुए।

वहीं डिजिटल भुगतान के कुल लेनदेन भी तेजी से बढ़े हैं। 2017-18 में यह संख्या 2,071 करोड़ थी, जो 2024-25 में बढ़कर 22,831 करोड़ हो गई, यानी 41 प्रतिशत CAGR की वृद्धि हुई। जबकि कुल भुगतान का मूल्य इसी अवधि में 1,962 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 3,509 लाख करोड़ रुपये हो गया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पिछले कुछ वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें ऋण अनुशासन, जिम्मेदार ऋण वितरण, बेहतर प्रशासन, टेक्नोलॉजी अपनाना और सहकारी बैंकों के विनियमन में सुधार शामिल हैं।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सुधार के लिए सरकार ने वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो के जरिए शीर्ष प्रबंधन का चयन, राष्ट्रीयकृत बैंकों में गैर-कार्यकारी अध्यक्षों की नियुक्ति, टैलेंट पूल का विस्तार और प्रबंध निदेशकों के लिए प्रदर्शन आधारित कार्यावधि विस्तार जैसी पहलें की हैं। इसके अलावा, ईएएसई (Enhanced Access and Service Excellence) सुधारों से बैंकों में शासन, विवेकपूर्ण ऋण, जोखिम प्रबंधन, टेक्नोलॉजी और डेटा आधारित बैंकिंग, तथा परिणाम-केंद्रित मानव संसाधन प्रबंधन में अहम प्रगति हुई है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए भी सरकार ने म्युचुअल क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर एमएसएमई और इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम जैसी योजनाएं लागू की हैं, जिनसे छोटे व्यवसायों को वित्तीय मदद और मजबूती मिली है।

राजस्थान सरकार ने छात्रसंघ चुनाव कराने से किया इनकार, हाईकोर्ट में पेश किया जवाब

जयपुर । प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव न कराने के सरकार के फैसले पर हाईकोर्ट में मंगलवार को जवाब पेश किया गया। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) लागू करने का हवाला देते हुए कहा कि मौजूदा हालात में चुनाव करवाना संभव नहीं है। साथ ही लिंगदोह कमेटी की सिफारिश का जिक्र करते हुए बताया गया कि सत्र शुरू होने के 8 सप्ताह में चुनाव कराना चाहिए, जो फिलहाल संभव नहीं दिख रहा।

सरकार के जवाब के साथ 9 विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं की राय भी शामिल की गई, जिनमें अधिकतर ने शैक्षणिक सत्र और कक्षाओं के कार्यक्रम को देखते हुए चुनाव टालने की सिफारिश की।

राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि 2023-24 में भी NEP के चलते चुनाव नहीं हुए थे। उनके अनुसार, छात्रसंघ चुनाव में छात्रों का वोटर टर्नआउट 25-30% से भी कम रहता है, जबकि चुनाव से परीक्षा परिणाम में देरी होती है, जिससे राज्य के विद्यार्थी अन्य राज्यों में प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव के दौरान भय का माहौल रहता है।

याचिकाकर्ता के वकील शांतनु पारीक ने सरकार के रुख का विरोध करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और कर्मचारी संघों के चुनाव होते हैं, तो छात्रसंघ चुनाव क्यों नहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन नहीं चाहता कि छात्र अपनी आवाज प्रभावी तरीके से उठा सकें। मामला अब 14 अगस्त को हाईकोर्ट में सुना जाएगा।

भारत-सिंगापुर संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में बड़ा कदम, तीसरी मंत्रीस्तरीय बैठक आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बुधवार को भारत और सिंगापुर के बीच तीसरी मंत्रीस्तरीय बैठक (भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय राउंड टेबल सम्मेलन – आईएसएमआर) का आयोजन हुआ। यह बैठक दोनों देशों के बीच मजबूत होते रिश्तों और व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है।

भारत की तरफ से इस बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हिस्सा लिया। वहीं, सिंगापुर की तरफ से उपप्रधानमंत्री गन किम योंग, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं गृह मामलों के समन्वय मंत्री के. शन्मुगम, विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन, डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री जो टियो, श्रम मंत्री डॉ. टैन सी लेंग और परिवहन मामलों के कार्यवाहक मंत्री जेफरी सिओ ने भाग लिया।

बैठक में दोनों देशों के बीच सहयोग को 6 मुख्य क्षेत्रों में मजबूत करने पर चर्चा हुई, जिसमें डिजिटलाइजेशन, स्किल डेवलपमेंट, सस्टेनेबिलिटी, स्वास्थ्य सेवा, कनेक्टिविटी और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग शामिल थे।

इस बात की जानकारी भारत के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दी।

वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "नई दिल्ली में तीसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन आईएसएमआर में भाग लेकर प्रसन्नता हुई। उपप्रधानमंत्री गन किम योंग, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं गृह मामलों के समन्वय मंत्री के. शन्मुगम, विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन, डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री जो टियो, श्रम मंत्री डॉ. टैन सी लेंग और कार्यवाहक परिवहन मंत्री जेफरी सिओ को हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की उनकी प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद।"

उन्होंने लिखा, "आईएसएमआर की भारत-सिंगापुर व्यापार गोलमेज सम्मेलन में आईएसबीआर प्रतिनिधिमंडल के साथ एक सार्थक बातचीत हुई। सरकार और उद्योग के बीच तालमेल भारत-सिंगापुर संबंधों के अगले चरण को गति देने की कुंजी है।"

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

आवारा पशुओं के बढ़ते संकट पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश

आवारा पशुओं का संकट आज सिर्फ किसी एक शहर या प्रदेश का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए गंभीर समस्या बन चुका है। सुप्रीम कोर्ट का हालिया निर्देश भले ही दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के संदर्भ में आया हो, लेकिन इसका महत्व राष्ट्रीय स्तर पर है। कोर्ट ने साफ कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है, और आवारा पशुओं के कारण जान-माल को होने वाले खतरे को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने जरूरी हैं। राजस्थान हाईकोर्ट भी इस दिशा में पहले ही पहल कर चुका है। उसने श्वानों समेत अन्य आवारा पशुओं को हटाने और उनके लिए सुरक्षित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। यह कदम न सिर्फ सड़क हादसों को रोकने के लिए अहम है, बल्कि उन घटनाओं को भी टाल सकता है जिनमें लोग, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, इन जानवरों के हमले का शिकार बनते हैं। हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से कई दर्दनाक घटनाएं सामने आई हैं—कहीं किसी नवजात को कुत्तों ने नोच लिया, कहीं बुजुर्ग और महिलाएं इनका शिकार बनीं। कई मामलों में तो हमले इतने गंभीर थे कि जान तक चली गई। इन घटनाओं के बाद अदालतों के सख्त निर्देशों की अहमियत और बढ़ जाती है। हालांकि, इस तरह के आदेशों को लेकर समाज में दो तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। एक वर्ग का मानना है कि यह पशु क्रूरता के दायरे में आता है और जानवरों के अधिकारों का उल्लंघन है। जबकि दूसरा वर्ग इसे व्यावहारिक समाधान मानता है और कहता है कि जब इंसानों की जान खतरे में हो, तो प्रशासनिक हस्तक्षेप जरूरी है। असल में, यह मुद्दा संवेदनशील भी है और जटिल भी। शहरी क्षेत्रों में अव्यवस्थित कूड़ा प्रबंधन, अतिक्रमण और पशु नियंत्रण की ठोस नीति न होने के कारण आवारा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। सड़कों, पार्कों और कॉलोनियों में भोजन की तलाश में घूमते ये जानवर न केवल ट्रैफिक में बाधा पैदा करते हैं, बल्कि कई बार घातक हादसों का कारण भी बन जाते हैं। यह भी सच है कि समस्या का हल केवल उन्हें पकड़कर किसी और जगह छोड़ देने या शेल्टर होम में बंद करने से नहीं निकलेगा। इसके लिए व्यापक और मानवीय दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले, नगर निकायों और प्रशासन को पशु जन्म नियंत्रण (Animal Birth Control) कार्यक्रम को तेज और प्रभावी बनाना चाहिए। इसके साथ ही, कूड़ा प्रबंधन और मांस के अवशेषों के उचित निस्तारण की व्यवस्था हो, ताकि इन जानवरों के लिए खुले में भोजन का स्रोत कम हो सके। इसके अलावा, नागरिकों में भी जागरूकता जरूरी है। कई बार लोग दया या धार्मिक भावनाओं के तहत सड़कों पर खुले में भोजन डाल देते हैं, जिससे आवारा पशु उसी इलाके में स्थायी रूप से डेरा जमा लेते हैं। ऐसे में, लोगों को समझाना होगा कि जानवरों के प्रति करुणा दिखाने का मतलब यह नहीं है कि हम उन्हें और खुद को खतरे में डालें। उनकी देखभाल नियंत्रित और सुरक्षित ढंग से की जाए, ताकि इंसान और पशु, दोनों का जीवन सुरक्षित रहे। अंततः, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देशों को केवल कानूनी कार्रवाई के रूप में नहीं देखना चाहिए।

धराली से सबक: उत्तराखंड-हिमाचल के लिए 'हिमालयी पर्यावरण समन्वय प्राधिकरण' बनाना आवश्यक

-समय रहते संभल जाएं, टूट रहा हिमालय का सब्र

अगस्त 2025 की सुबह उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले के धराली गांव में बादल फटने की घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि हिमालय का सब्र अब टूटने की कगार पर है। खीरगंगा नदी का शांत बहाव पलक झपकते ही मलबे और पत्थरों की रौद्र धारा में बदल गया। कुछ ही मिनटों में घर, खेत, पुल और सड़कें बह गईं। यह महज़ एक प्राकृतिक आपदा नहीं थी — यह मानव की अनियंत्रित गतिविधियों, लापरवाह विकास मॉडल और पर्यावरणीय चेतावनियों की अनदेखी का परिणाम था। धराली की घटना कोई अपवाद नहीं। पिछले कुछ वर्षों में उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश ने जिस तरह प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है, वह एक पैटर्न बन चुका है — बादल फटना, भूस्खलन, ग्लेशियर फटना, नदी का अचानक उग्र होना, और सड़कों का धंस जाना। सवाल है, क्या हम इन संकेतों को समझ रहे हैं या तब तक इंतज़ार कर रहे हैं जब तक नक्शे से पूरा इलाका गायब न हो जाए?

आपदाओं का सिलसिला: आंकड़े और घटनाएं

धराली और उसके पहले की घटनाएं

फरवरी 2024: चमोली में हिमस्खलन, बीआरओ के 8 जवान मारे गए।

जून 2024: केदारनाथ मार्ग पर हेलिकॉप्टर दुर्घटना, 7 मौतें। तीर्थ सीजन में यह 5वीं विमानन दुर्घटना थी।

अगस्त 2024 से पहले: 50 से अधिक सड़कें (मुख्य तीर्थ मार्ग सहित) भूस्खलनों से अवरुद्ध, चारधाम यात्रा ठप।

2024 में भूस्खलन के आंकड़े: 1,813 घटनाएं — 2023 की तुलना में लगभग दोगुना।

1988 से अब तक: 12,000 से अधिक भूस्खलन।

2021 के बाद से: आपदाओं की आवृत्ति और तीव्रता में तेज़ी।

हिमाचल की स्थिति

हिमाचल प्रदेश में 2023 और 2024 के मानसून सीज़न में: मंडी, कुल्लू, किन्नौर और चंबा ज़िलों में भारी तबाही। बादल फटने से नदी घाटियों में सैकड़ों मकान बह गए। बाढ़ और भूस्खलन से 5000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान।

यह सिर्फ़ 'प्राकृतिक' नहीं, मानवजनित संकट भी है

बेलगाम विकास

हिमालयी राज्यों में विकास परियोजनाओं का मॉडल मैदानों जैसा है — चौड़ी सड़कों के लिए पहाड़ काटना, नदी घाटियों में बड़े-बड़े बांध, खनन, और पर्यटन के नाम पर अंधाधुंध निर्माण। चारधाम महामार्ग: चौड़ीकरण के दौरान बड़े पैमाने पर पहाड़ काटने से भूस्खलन बढ़ा। हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स: बांध और सुरंगों ने नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित किया। खनन: निर्माण सामग्री के लिए नदी तल से अत्यधिक खनन, जिससे नदी का तल अस्थिर हुआ।

जलवायु परिवर्तन

तापमान बढ़ने से हिमनदों का तेज़ी से पिघलना। अचानक वर्षा (cloudburst) की घटनाओं में वृद्धि। बर्फबारी का पैटर्न बदलना — जिससे जलस्रोत प्रभावित और पारिस्थितिकी असंतुलित।

जनसंख्या और पर्यटन दबाव

चारधाम और हिमाचल के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर एक सीज़न में लाखों लोगों का आगमन। स्थानीय संसाधनों पर बोझ — पानी, कचरा प्रबंधन, सड़क यातायात। होटलों और पार्किंग स्थलों के लिए वन भूमि का अतिक्रमण।

कानूनी चेतावनियां और उदासीन नीति

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

हिमाचल के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कहा — "अगर इसी तरह विकास और आपदा प्रबंधन चलता रहा, तो पूरा राज्य मानचित्र से गायब हो सकता है।" यह चेतावनी उत्तराखंड पर भी लागू होती है।

मौजूदा संस्थाओं की सीमाएं

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण — कागज़ पर मौजूद, लेकिन फंड और विशेषज्ञता की कमी। केंद्रीय एजेंसियां — इनकी भूमिका आपदा के बाद राहत तक सीमित।पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) — अक्सर परियोजना के पक्ष में औपचारिक प्रक्रिया, वास्तविक जोखिम विश्लेषण नहीं।

'हिमालयी पर्यावरण समन्वय प्राधिकरण' की ज़रूरत

क्यों ज़रूरी है?

उत्तराखंड और हिमाचल की पारिस्थितिकी जुड़ी हुई है — एक राज्य में की गई गलती दूसरे को प्रभावित करती है। अलग-अलग राज्यों की नीतियां बिखरी हुई हैं — संयुक्त और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की कमी। जलवायु और भौगोलिक स्थितियां इतनी संवेदनशील हैं कि इनके लिए विशेष प्राधिकरण चाहिए जो सिर्फ़ 'हिमालयी हित' देखे।

संभावित ढांचा

अधिकार क्षेत्र: उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, सिक्किम, अरुणाचल के कुछ हिस्से।

संरचना:

वैज्ञानिक परिषद (भूविज्ञान, जलवायु विज्ञान, पर्यावरण इंजीनियरिंग विशेषज्ञ)। कानूनी सेल (परियोजनाओं के EIA और अनुपालन की निगरानी)। आपदा पूर्व चेतावनी विभाग।

कार्य:

संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर नियंत्रण। संयुक्त डेटा बैंक (भूस्खलन, वर्षा, हिमस्खलन)। परियोजनाओं की अनुमति में पर्यावरणीय प्राथमिकता।

लाभ

संसाधनों का साझा उपयोग। वैज्ञानिक आंकड़ों के आधार पर नीति निर्माण। आपदा पूर्व रोकथाम और तत्पर प्रतिक्रिया।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण

नेपाल: हिमालयन रिस्क रिडक्शन सेंटर — भूस्खलन व बाढ़ पूर्वानुमान।

स्विट्ज़रलैंड: Alps में निर्माण और पर्यटन पर कड़े पर्यावरण नियम।

भूटान: 'ग्रॉस नेशनल हैप्पीनेस' नीति में पर्यावरण संरक्षण अनिवार्य।

इनसे सीखकर भारत भी हिमालयी क्षेत्र के लिए विशेष प्राधिकरण बना सकता है।

अगर अब भी नहीं संभले

ग्लेशियर पिघलने की गति और बढ़ेगी, जिससे बाढ़ और भूस्खलन आम हो जाएंगे। पारंपरिक गांव उजड़ जाएंगे, कृषि भूमि खत्म होगी। धार्मिक पर्यटन ठप हो सकता है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था ढह जाएगी। जल संकट गहरा जाएगा — गंगा, यमुना, सतलुज जैसी नदियां प्रभावित होंगी। धराली की घटना एक चेतावनी है — हिमालय का सब्र अब खत्म हो रहा है। अगर हमने विकास के मॉडल को तुरंत नहीं बदला, वैज्ञानिक योजना नहीं अपनाई, और 'हिमालयी पर्यावरण समन्वय प्राधिकरण' जैसे संस्थागत ढांचे की स्थापना नहीं की, तो आने वाले दशक में उत्तराखंड और हिमाचल सिर्फ़ नक्शे पर याद रह जाएंगे। वक्त आ गया है कि हम आपदा को 'प्राकृतिक' कहकर पल्ला झाड़ना बंद करें और इसे मानवजनित संकट मानते हुए उसी गंभीरता से समाधान खोजें। हिमालय की रक्षा, सिर्फ़ इन राज्यों की नहीं बल्कि पूरे भारत की जीवनरेखा की रक्षा है।

स्थानीय समुदाय की भूमिका और जिम्मेदारी

हिमालयी आपदाओं से निपटने में स्थानीय समुदाय की भूमिका सबसे अहम है। धराली जैसी घटनाओं के बाद यह साफ़ हो गया है कि सिर्फ़ सरकारी एजेंसियों या प्राधिकरण पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। परंपरागत ज्ञान का उपयोग: पहाड़ी लोग सदियों से मौसम के पैटर्न, नदी के बहाव और भू-संरचना को समझते आए हैं। इस ज्ञान को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर आपदा प्रबंधन को और मज़बूत किया जा सकता है। स्थानीय सतर्कता समूह: गांव-गांव में ऐसे समूह बनाए जाएं जो बारिश, भूस्खलन या नदी के उफान पर तुरंत चेतावनी दे सकें। आपदा के बाद पुनर्निर्माण में भागीदारी: विस्थापित परिवारों के पुनर्वास में स्थानीय लोग अगर शामिल हों तो पारिस्थितिक संतुलन का ध्यान रखना आसान होगा।

मीडिया और जागरूकता की कमी धराली जैसी घटनाओं की खबरें कुछ दिनों तक सुर्खियों में रहती हैं, लेकिन लंबे समय तक मीडिया फॉलो-अप नहीं करता। परिणामस्वरूप, नीतिगत दबाव घट जाता है और सरकारें पुराने ढर्रे पर लौट आती हैं। मीडिया को चाहिए कि वह इन मुद्दों को मौसमी रिपोर्टिंग की बजाय निरंतर निगरानी का हिस्सा बनाए।

भाग 9 — वित्तीय ढांचा और फंडिंग

'हिमालयी पर्यावरण समन्वय प्राधिकरण' के लिए सिर्फ़ नाम मात्र का बजट नहीं, बल्कि पर्याप्त फंडिंग जरूरी होगी।

राज्य और केंद्र का संयुक्त कोष बनाना होगा। आपदा से प्रभावित क्षेत्रों के लिए ग्रीन टैक्स या इको-टूरिज्म शुल्क लगाकर स्थायी राजस्व जुटाया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और जलवायु फंड से भी सहायता ली जा सकती है।

टोक्यो से सैकड़ों किलोमीटर दूर बसा यह ज्वालामुखीय द्वीप

-केवल 170 लोगों की आबादी और अद्भुत प्राकृतिक सौंदर्य के लिए मशहूर है

जापान अपने अनोखे द्वीपों, सुंदर प्राकृतिक दृश्यों और समृद्ध संस्कृति के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। लेकिन जापान के दक्षिणी सिरे पर एक ऐसा द्वीप मौजूद है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं – आओगाशिमा द्वीप। यह न केवल जापान के सबसे दूरस्थ और कम आबादी वाले स्थानों में से एक है, बल्कि यहां की प्राकृतिक खूबसूरती, रहस्यमय वातावरण और रोमांचक भूगोल इसे एक अनोखा अनुभव बना देते हैं। टोक्यो से लगभग 358 किलोमीटर दक्षिण और हाचिजो-जिमा से 64 किलोमीटर दक्षिण में स्थित यह छोटा-सा द्वीप इजू द्वीप समूह का हिस्सा है। इसकी आबादी मात्र 170 लोगों की है, और यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है – एकांत, शांति और प्रकृति से गहरा जुड़ाव। प्रशासनिक दृष्टि से यह गांव हाचिजो उप-प्रान्त के अंतर्गत आता है और फूजी-हाकोने-इजू राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है, जिससे यह न केवल प्राकृतिक दृष्टि से संरक्षित है बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी खास महत्व रखता है।

आओगाशिमा द्वीप का भूगोल और उत्पत्ति

आओगाशिमा वास्तव में एक ज्वालामुखीय द्वीप है, जिसकी संरचना बेहद रोचक है। यह लगभग 3.5 किलोमीटर लंबा और 2.5 किलोमीटर चौड़ा है। इसका सबसे ऊँचा बिंदु समुद्र तल से लगभग 423 मीटर ऊपर है। द्वीप का सबसे अनोखा पहलू है – इसका डबल क्रेटर स्ट्रक्चर। इसका मतलब है कि यहां एक ज्वालामुखी के अंदर दूसरा ज्वालामुखी है। बाहरी क्रेटर, जिसे इयो-ने कहा जाता है, लाखों साल पहले के ज्वालामुखीय विस्फोटों का परिणाम है, और इसके अंदर का छोटा क्रेटर मारुयामा आज भी सक्रिय माना जाता है, हालांकि इसका अंतिम बड़ा विस्फोट 1780 के दशक में हुआ था।

ज्वालामुखीय गतिविधियां

द्वीप की सतह पर कई जगह से गर्म भाप और सल्फर गैस निकलती रहती है। इन प्राकृतिक स्टीम वेंट्स का उपयोग यहां के लोग खाना पकाने के लिए भी करते हैं। स्थानीय लोग इसे "जियोथर्मल स्टीम कुकिंग" कहते हैं, और इसमें सब्जियां, अंडे और यहां तक कि मीट भी पकाया जाता है।

इतिहास और बसावट

आओगाशिमा का इतिहास पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जाता है कि यहां पर स्थायी मानव बसावट 17वीं सदी में शुरू हुई। प्रारंभिक बसने वाले मुख्य रूप से मछुआरे और किसान थे, जो पास के द्वीपों से आए थे। 1780-1785 का ज्वालामुखी विस्फोट: द्वीप के इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदी 1780 के दशक में आई, जब यहां का ज्वालामुखी फट पड़ा। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोग मारे गए और बचे हुए लोगों को द्वीप छोड़कर पास के हाचिजो-जिमा में बसना पड़ा। कई दशक बाद, कुछ परिवार फिर से यहां लौटे और खेती, मछली पकड़ने और पशुपालन के सहारे जीवन शुरू किया।

आबादी और जीवनशैली

आज यहां मात्र 170 लोग रहते हैं, जिनमें अधिकांश स्थानीय परिवार हैं जो पीढ़ियों से यहां बसे हुए हैं। आबादी का घनत्व बेहद कम है, और यही कारण है कि यहां का वातावरण बहुत शांत और प्रदूषण-मुक्त है।

मुख्य पेशे: मछली पकड़ना – यहां की मछलियां, विशेषकर टूना और स्किड, बेहद प्रसिद्ध हैं। कृषि – आलू, सब्जियां और कुछ फल यहां की मुख्य फसलें हैं। पशुपालन – कुछ परिवार गाय, बकरी और मुर्गियों का पालन करते हैं। टूरिज्म – हाल के वर्षों में सीमित स्तर पर इको-टूरिज्म भी यहां की आय का साधन बन गया है।

यहां तक पहुंचना क्यों मुश्किल है? आओगाशिमा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहां पहुंचना आसान नहीं है।

समुद्री मार्ग

हाचिजो-जिमा से फेरी सेवा

उपलब्ध है, लेकिन यह केवल अच्छे मौसम में ही चलती है। समुद्र में तेज लहरें और मौसम की अचानक बदलती स्थिति अक्सर यात्रा को रद्द कर देती हैं।

हवाई मार्ग

द्वीप पर कोई हवाई अड्डा नहीं है। हालांकि हाचिजो-जिमा से हेलिकॉप्टर सेवा उपलब्ध है, लेकिन यह महंगी है और दिन में केवल एक बार चलती है। यानी, यहां पहुंचना अपने आप में एक रोमांचक साहसिक यात्रा है, जो केवल साहसी यात्रियों को ही आकर्षित करती है।

आओगाशिमा की प्राकृतिक खूबसूरती

आओगाशिमा की सबसे बड़ी पहचान इसकी हरी-भरी पहाड़ियां, ज्वालामुखीय क्रेटर, और नीला समुद्र है। यहां का मौसम साल भर ठंडा और सुहावना रहता है।

मुख्य आकर्षण: मारुयामा क्रेटर ट्रेक – ज्वालामुखी के अंदर ट्रेकिंग का अद्‌भुत अनुभव, जहां से पूरे द्वीप और समुद्र का नजारा देखा जा सकता है। फूमारोल स्टीम वेंट्स – प्राकृतिक गर्म भाप के स्रोत, जहां खाना पकाने का अनोखा अनुभव मिलता है। ऑब्जर्वेशन डेक – यहां से सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य बेहद मनमोहक होता है। बीच और क्लिफ – समुद्र किनारे की चट्टानें और साफ पानी आपको प्रकृति की गोद में ले जाते हैं।

आओगाशिमा में रहने का अनुभव यहां होटल या बड़े रिसॉर्ट नहीं हैं। यात्रियों के लिए सीमित संख्या में गेस्टहाउस और होमस्टे उपलब्ध हैं। यहां रुकना मतलब है – बिना इंटरनेट या मोबाइल नेटवर्क के दिन बिताना, रात में सितारों भरे आसमान को देखना और सुबह पक्षियों की चहचहाहट में उठना।

खाने-पीने का अनुभव: स्थानीय मछली – ताजा पकड़ी गई मछली को ग्रिल या उबालकर परोसा जाता है। स्टीम कुक्ड व्यंजन – प्राकृतिक भाप से पकाई गई सब्जियां और अंडे यहां की खासियत हैं। सोचू – स्थानीय रूप से बनाई जाने वाली एक तरह की जापानी शराब, जिसे शकरकंद या जौ से बनाया जाता है।

पर्यटन का स्वरूप

आओगाशिमा मास टूरिज्म के लिए नहीं है। यहां आने वाले ज्यादातर लोग शांति, ट्रेकिंग, फोटोग्राफी और अनूठे भूगोल का अनुभव करने आते हैं। यहां आने वालों के लिए जरूरी बातें। मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें। सीमित सुविधाओं के लिए तैयार रहें। स्थानीय संस्कृति और प्रकृति का सम्मान करें। कचरा वापस ले जाएं – यहां कचरा निपटान की व्यवस्था सीमित है।

फूजी-हाकोने-इजू राष्ट्रीय उद्यान में इसका महत्व

चूंकि आओगाशिमा फूजी-हाकोने-इजू नेशनल पार्क का हिस्सा है, इसलिए यहां की वनस्पति और जीव-जंतु विशेष संरक्षण में हैं। यहां पाए जाने वाले कुछ पौधे और पक्षी प्रजातियां केवल इसी क्षेत्र में मिलती हैं। यह क्षेत्र वैज्ञानिकों के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां का ज्वालामुखीय ढांचा और भूगर्भीय गतिविधियां शोध के लिए अद्‌भुत अवसर प्रदान करती हैं।

आओगाशिमा – जापान के दिल में बसा एक अनमोल मोती

हैदर अली – मैसूर के पहले सुल्तान, जिन्होंने ब्रिटिश के खिलाफ लंबा संघर्ष किया

-मैसूर का पहला सुल्तान बनने की कहानी

भारत के इतिहास में 18वीं सदी का समय वह दौर था, जब देश राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक कलह और विदेशी ताकतों के बढ़ते दबाव से जूझ रहा था। मुगल साम्राज्य का केंद्रीय अधिकार कमज़ोर हो चुका था और क्षेत्रीय शक्तियाँ अपने-अपने इलाक़ों में प्रभुत्व स्थापित कर रही थीं। इसी समय दक्षिण भारत में एक ऐसी शख्सियत उभर कर सामने आई, जिसने न सिर्फ अपने साम्राज्य को मज़बूत किया, बल्कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष भी किया। यह शख्सियत थी – हैदर अली, जिन्हें मैसूर का पहला सुल्तान माना जाता है।

प्रारंभिक जीवन

हैदर अली का जन्म लगभग 1720 में हुआ था। उनके पिता फतेह मोहम्मद एक सैन्य अधिकारी थे, जो मैसूर की सेना में सेवा करते थे। हैदर अली बचपन से ही साहसी, चतुर और युद्ध कौशल में निपुण थे। उन्होंने औपचारिक शिक्षा बहुत कम पाई, लेकिन व्यवहारिक बुद्धि, रणनीति और सैन्य संगठन में अद्‌भुत दक्षता हासिल की। कम उम्र में ही वे अपने पिता के साथ सैन्य अभियानों में जाने लगे। उन्होंने बंदूक और तोप के इस्तेमाल, घुड़सवारी और युद्धनीति में महारत हासिल कर ली। यह उनके जीवन का वह दौर था, जिसने आगे चलकर उन्हें दक्षिण भारत की सबसे शक्तिशाली हस्तियों में से एक बना दिया।

सत्ता की ओर बढ़ते क़दम

हैदर अली ने सबसे पहले नंजा राजा के अधीन काम किया, जो उस समय मैसूर राज्य के प्रधानमंत्री थे। उनकी बहादुरी और सैन्य कौशल ने जल्द ही उन्हें उच्च पदों तक पहुँचा दिया। उन्होंने मराठों और निज़ाम के खिलाफ अभियानों में हिस्सा लिया और हर जगह अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 1757 में, हैदर अली ने मैसूर सेना का नेतृत्व अपने हाथ में लिया और धीरे-धीरे राज्य की बागडोर भी संभालनी शुरू कर दी। नंजा राजा की कमजोर प्रशासनिक पकड़ और हैदर अली की अद्वितीय सैन्य क्षमता के चलते, 1761 में वे वास्तविक सत्ता के मालिक बन गए।

मैसूर के पहले सुल्तान

हालांकि आधिकारिक रूप से वे "सुल्तान" का ख़िताब कुछ साल बाद इस्तेमाल करने लगे, पर 1761 से ही वे मैसूर राज्य के सर्वोच्च शासक बन गए थे। हैदर अली ने अपनी सेना को यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित किया, फ्रांसीसी हथियारों का इस्तेमाल बढ़ाया और राज्य के प्रशासन में सुधार किए।

उनकी सैन्य शक्ति का मुख्य आधार था – आधुनिक तोपखाना, तेज़ और प्रशिक्षित घुड़सवार दस्ता, नवीनतम हथियारों का प्रयोग, अनुशासन और रणनीतिक लचीलापन

ब्रिटिश से पहली टक्कर – प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1767–1769)

18वीं सदी के मध्य में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मज़बूत कर रही थी। हैदर अली को यह साफ़ समझ आ गया था कि ब्रिटिश की मंशा सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रभुत्व है। 1767 में ब्रिटिश, हैदराबाद के निज़ाम और मराठों ने मिलकर हैदर अली के खिलाफ मोर्चा खोला। लेकिन हैदर अली की तेज़ चाल और सैन्य रणनीति ने इस गठबंधन को परास्त कर दिया।

रणनीतिक उपलब्धियां: हैदर अली ने ब्रिटिश को मद्रास (चेन्नई) तक घेर लिया। उन्हें मजबूर होकर 1769 में मद्रास संधि करनी पड़ी, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की रक्षा का वादा किया।

आंतरिक सुधार और आर्थिक नीतियां

हैदर अली ने सिर्फ युद्ध पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों पर भी काम किया। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए सिंचाई व्यवस्था को मज़बूत किया। हथियार और बारूद के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा दिया। फ्रांसीसी इंजीनियरों की मदद से तोपखाने का आधुनिकीकरण किया। व्यापार को नियंत्रित कर राज्य की आय में वृद्धि की। उनके शासन में मैसूर आर्थिक रूप से मज़बूत हुआ और जनता को सुरक्षा का अनुभव हुआ।

दूसरा आंग्ल-मैसूर युद्ध (1780–1784)

मद्रास संधि के बाद कुछ साल शांति रही, लेकिन जल्द ही परिस्थितियां बदल गईं। 1771 में जब मराठों ने मैसूर पर हमला किया, तो ब्रिटिश ने मदद नहीं की, जबकि संधि के तहत उन्हें करना था। इस विश्वासघात ने हैदर अली के मन में ब्रिटिश के प्रति गहरी नाराज़गी पैदा कर दी। 1780 में उन्होंने ब्रिटिश के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा खोला। इस युद्ध की खासियत थी कि इसमें हैदर अली को फ्रांसीसी समर्थन मिला और उन्होंने कर्नाटक में ब्रिटिश को कड़ी टक्कर दी।

मुख्य घटनाएं: आर्कोट और कर्नाटक के कई हिस्सों पर कब्जा। ब्रिटिश सेना को कई मोर्चों पर पराजित करना। लेकिन 1782 में, युद्ध के बीच ही हैदर अली की मृत्यु हो गई। उन्होंने अपने बेटे टीपू सुल्तान को संघर्ष जारी रखने का आदेश दिया।

हैदर अली की युद्ध नीति और सैन्य कौशल

हैदर अली की सैन्य सफलता का राज उनकी लचीलापन और परिस्थितियों के हिसाब से रणनीति बदलने की क्षमता में था। तेज़ मार्च: वे सेना को कम समय में लंबी दूरी तय करवाते थे, जिससे दुश्मन चौंक जाता था। तोपखाना और रॉकेट तकनीक: उन्होंने रॉकेट का इस्तेमाल किया, जिसे बाद में टीपू सुल्तान ने और विकसित किया। स्थानीय भूगोल का ज्ञान: युद्ध में इलाके का पूरा फायदा उठाते थे। गठबंधन नीति: निज़ाम, मराठा और फ्रांसीसी ताकतों के साथ समय-समय पर गठबंधन कर ब्रिटिश को दबाव में रखते थे।

ब्रिटिश के लिए सबसे बड़ी चुनौती ब्रिटिश इतिहासकार मानते हैं कि 18वीं सदी में हैदर अली और बाद में उनके पुत्र टीपू सुल्तान, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के सबसे खतरनाक प्रतिद्वंद्वी थे। हैदर अली ने लगभग दो दशकों तक ब्रिटिश की विस्तारवादी नीतियों को दक्षिण में रोके रखा।

व्यक्तित्व और नेतृत्व गुण

हैदर अली सख्त अनुशासनप्रिय, लेकिन प्रजा के प्रति न्यायप्रिय शासक थे। वे धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करते थे। हिंदू और मुस्लिम, दोनों को प्रशासन में महत्वपूर्ण पद देते थे। वे अत्यंत साहसी और निर्णायक नेता थे। उनके निर्णय तेज़ और परिस्थितियों के अनुसार होते थे। उन्हें व्यक्तिगत विलासिता में अधिक रुचि नहीं थी, बल्कि सेना और राज्य की मजबूती पर ध्यान देते थे।

अंतिम समय और विरासत

1782 में हैदर अली की मृत्यु हुई, लेकिन उन्होंने अपने जीवनकाल में जो संघर्ष शुरू किया था, उसे उनके पुत्र टीपू सुल्तान ने और भी तीव्र कर दिया।

जयपुर की राजकीय विद्यालयों की बालिकाओं ने राष्ट्रपति एवं मुख्यमंत्री को बांधा रक्षासूत्र

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रक्षाबंधन के अवसर पर जयपुर की राजकीय विद्यालयों की छात्राओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षासूत्र बांधा। बगरू के ग्राम पंवालिया स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की चार छात्राओं को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को राखी बांधने अवसर मिला। इस दौरान नोडल प्रिंसिपल पूजा झांझड़िया भी बालिकाओं के साथ मौजूद रहीं। राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राजस्थान सहित देश के 17 राज्यों की चयनित बालिकाओं ने भाग लिया। सांगानेर ब्लॉक की छात्राओं ने राष्ट्रपति को रक्षा सूत्र बांधा और उनकी दीर्घायु व स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की। वहीं, मुख्यमंत्री आवास में आयोजित रक्षा सम्मान समारोह में पीएम राजकीय आदर्श बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, गणगौरी बाजार, महात्मा गांधी राजकीय विधालय जड़िया कॉलोनी राजभवन, शहीद लेफ्टिनेंट अभय पारीक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय गांधीनगर, महाराजा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, छोटी चौपड़ की 231 छात्राओं और 8 शिक्षिकाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को रक्षा सूत्र बांधा।

जल्द शुरू होगा पुष्कर-मेड़ता रेल लाइन का कार्य

-अजमेर रेलवे स्टेशन विस्तार, नई लाइन, फुट ओवर ब्रिज सहित कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर जिले में रेलवे से संबंधित विकास योजनाओं पर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने अजमेर शहर के विकास को नया आयाम देने वाली विभिन्न योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, जिला प्रशासन और रेलवे के साथ समन्वय कर इन योजनाओं को गति दी जाएगी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को अजमेर सर्किट हाउस में रेलवे के अधिकारियों से विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की। मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा सहित वरिष्ठ अधिकारी इस बैठक में उपस्थित रहे। देवनानी ने रेलवे के अधिकारियों से कहा कि पुष्कर-मेड़ता रेललाइन का काम जल्द पूरा हो। यह लाइन अजमेर से बीकानेर की कनेक्टिविटी के लिए महत्वपूर्ण है, इसे जल्द पूरा किया जाए। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन, पुष्कर व रियांबड़ी उपखण्ड स्तर पर सर्वे, मुआवजा का काम चल रहा है। यह काम होते ही लाइन का काम शुरू हो जाएगा।

देवनानी ने रेलवे स्टेशन के सौन्दर्यकरण एवं विस्तार पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की घोषणा के अनुरूप स्टेशन के सौन्दर्यकरण एवं अन्य काम जल्द पूरे हों। अधिकारियों ने बताया कि मार्टिण्डल ब्रिज से आगे रेलवे अस्पताल की तरफ रेल लाइनों का विस्तार, स्टेशन की इमारत का विस्तार, नए फुट ओवर ब्रिज और वेटिंग एरिया आदि का पर तेजी से काम चल रहा है। यह सभी कार्य पूर्ण होने पर अजमेर रेलवे स्टेशन एक नए और भव्य स्वरूप में निखर कर सामने आएगा।

देवनानी ने तोपदड़ा और पालबीचला ओर दूसरे एन्ट्री गेट से सुगम यातायात की चर्चा कर कहा कि इसमें जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर काम किया जाए। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि भविष्य में मार्टिण्डल ब्रिज को भी उंचा कर यातायात की बाधा को समाप्त करने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है।

देवनानी ने कहा कि अजमेर को पर्यटन के नए हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें रेलवे की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि रेलवे अपनी भूमि राज्य सरकार को उपलब्ध कराए तो विभिन्न विकास कार्य कराए जा सकते हैं। बैठक में अजमेर चित्तौड़ डबल लाइन, यातायात, स्टेशन के बाहर ड्रेनेज, मदार व दौराई स्टेशन को और अधिक विकसित करने, जिला प्रशासन से समन्वय सहित अन्य मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

एटीएस-एसओजी के एडीजी वीके सिंह राष्ट्रपति पुलिस पदक से होंगे सम्मानित

-14 पुलिसकर्मियों को मिलेगा पुलिस पदक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जोधपुर में आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में इस बार एटीएस-एसओजी के एडीजी वीके सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक एवं 14 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक देकर सम्मानित किया जाएगा।

पुलिस महानिदेशक, राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि बरकतुल्ला स्टेडियम, जोधपुर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, एटीएस एवं एसओजी वी.के. सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जैसलमेर से देवाराम, सेवानिवृत अति. पुलिस अधीक्षक सीआईडी, सतीश कुमार यादव अति. पुलिस अधीक्षक, कामां भरतपुर, सुरेन्द्र सिंह डिप्टी कमांडेट, एसडीआरएफ, दीपचन्द अति. पुलिस अधीक्षक पीटीएस बीकानेर, श्रीमती दीप्ति जोशी, पुलिस निरीक्षक, एटीएस कोटा, जयसिंह राव, पुलिस निरीक्षक सीआईडी एसबी बांसवाड़ा, मनीष चौधरी, उपनिरीक्षक, रेंज जोधपुर, हरिओम सिंह, प्लाटून कमांडर, पांचवी बटालियन, आरएसी, फतेह सिंह सेवानिवृत उपनिरीक्षक भीलवाड़ा, सुभाष चन्द्र हैड कानि. सीआईडी सीबी, जयपुर को पुलिस पदक प्रदान किए जाएंगे।

इसी प्रकार आत्मप्रकाश हैड कानि. रिजर्व पुलिस लाइन, झुंझुनूं, बल्लू राम कानि. सीआईडी सीबी, जयपुर, सौराज सिंह मीणा, कानि. द्वितीय बटालियन आरएसी कोटा तथा गुलझारी लाल कानि. कार्यालय अति. पुलिस अधीक्षक, झुंझुंनूं को भी पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा।

स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें- प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी कड़ी में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बुधवार को स्वास्थ्य भवन सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को स्वास्थ्य सेवाओं की सुगमता से उपलब्धता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर शत—प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि स्वास्थ्य के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में नए चिकित्सा संस्थानों, लैब आदि का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि मिशन के तहत नए भवनों के लिए भूमि आवंटन के कार्य को शीघ्र पूरा किया जाए। जिन नवीन चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटित नहीं हो पाई है, वहां जिला कलक्टर के माध्यम से समन्वय स्थापित कर आवंटन कार्य में तेजी लाएं। साथ ही, निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत मिलने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि प्रदेश में संचालित एम्बुलेंस सेवाओं में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने प्रत्येक एम्बुलेंस के लिए स्थान निर्धारण तथा समय-समय पर एम्बुलेंस की कंडीशन जांचने के लिए नियमित निरीक्षण करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के दुर्गम स्थानों जहां चिकित्सा सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाती, वहां मेडिकल मोबाइल यूनिट के माध्यम से जांच तथा उपचार सेवाएं उपलब्ध करवाई जाए। इसके लिए जिला स्तर से रूटचार्ट निर्धारण कर सुचारू संचालन किया जाए। साथ ही, जिला एवं ब्लॉक स्तर से अधिकारी 108 एम्बुलेंस, जननी एक्सप्रेस, ममता एक्सप्रेस की प्रभावी मॉनिटरिंग करें। इसके लिए सूचना तकनीक का भी उपयोग किया जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में मानव संसाधन होना आवश्यक है। विगत कुछ समय में विभाग में बड़ी संख्या में भर्तियां की गई हैं, इससे दूर—दराज के क्षेत्रों में भी स्वास्थ्यकर्मी समुचित संख्या में उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए। इसके लिए भर्ती प्रक्रिया को गति दी जाए। साथ ही, उपलब्ध मानव संसाधन का विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। स्वास्थ्यकर्मी समय पर कार्यालय में उपस्थित हों और उनके कार्य का मूल्यांकन किया जाए। श्रीमती राठौड़ ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, अनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम, जेएसवाई भुगतान तथा मा वाउचर योजना की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पिछड़े एवं आदिवासी क्षेत्रों में अनीमिया की जांच एवं उपचार सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि गर्भवती महिलाओं का प्रसव संस्थागत ही हो। साथ ही, निरीक्षण के दौरान यह ध्यान रखा जाए कि किस चिकित्सा संस्थान से अनावश्यक रेफरल हो रहा है, उन पर सख्त एक्शन लिया जाए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के तहत लाभार्थियों के पेंडिग भुगतान को शीघ्र कराने के लिए एक अभियान चलाकर जीरो पेंडेंसी के निर्देश दिए। साथ ही मा वाउचर योजना के क्रियान्वयन मंे गंभीरता बरतने के भी निर्देश दिए।

मिशन निदेशक, एनएचएम डॉ. अमित यादव ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

-योजनाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाकर किसानों को पहुंचाये त्वरित लाभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की गति बढ़ाकर ज्यादा से ज्यादा कृषकों को त्वरित लाभ पहुंचाया जाये।

राजन विशाल बुधवार को पंत कृषि भवन में विभागीय योजनाओं की प्रगति के सम्बन्ध में कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। शासन सचिव ने कहा कि बजट घोषणाओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें शत-प्रतिशत क्रियान्वित करके समय पर पूरा करें। विभागीय अधिकारी ज्यादा से ज्यादा कृषकों को योजनाओं की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि सभी योजनओं का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम छोर में बैठे प्रत्येक किसान तक पहुंचाना सुनिश्चित करें जिससे कृषकों की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ हो सकेगी। राजन विशाल ने बैठक में फार्म पौण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाईप लाईन, तारबंदी, कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर, राज किसान साथी पोर्टल, ग्रीन हाउस, पॉली हाउस, सोलर पम्प, ड्रिप, स्प्रिंक्लर, मिनी स्प्रिंक्लर सहित विभागीय गतिविधियों के बारे में सम्बन्धित योजना प्रभारियों से प्रगति की जानकारी ली। बैठक में आयुक्त कृषि एवं उद्यानिकी सुश्री चिन्मयी गोपाल, उप सचिव कृषि अशोक कुमार मीणा, वित्तीय सलाहकार अचलेश्वर मीणा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस. एस. शेखावत, अतिरिक्त निदेशक (आदान) गोपाल लाल जाट, अतिरिक्त निदेशक कृषि (प्रशासन) हुशियार सिंह, अतिरिक्त निदेशक (उद्यान) हीरेंद्र कुमार शर्मा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (अनुसंधान) अजय कुमार पचौरी सहित सम्बन्धित योजना प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-5 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 7 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में बुधवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये अम्बाबाडी नाले के पास, माल रोड, विद्याधर नगर, मंदिर मोड से परशुराम सर्किल तक, गोरस भंडार के सामने, जीण माता रोड, लाल डिब्बा रोड से रोड नं0 02 तक, आम्रपाली पुलिया के पास वैशाली नगर से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 7 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये अम्बाबाडी नाले के पास, माल रोड, विद्याधर नगर, मंदिर मोड से परशुराम सर्किल तक, गोरस भंडार के सामने, जीण माता रोड, लाल डिब्बा रोड से रोड नं0 02 तक, आम्रपाली पुलिया के पास वैशाली नगर से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 7 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 5 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

बेटियों के सपनों को लगे पंख, 51 बालिकाओं को पुस्तकें भेंट

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। वीर हँसराज तिराहे पर बुधवार का दिन बेटियों के नाम रहा, जब प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही 51 बालिकाओं को पुस्तकें भेंट कर उनका उत्साह दोगुना किया गया। यह "उज्ज्वल भविष्य" कार्यक्रम सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन मोहनपुरिया के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि विधायक मनीष यादव ने इस पहल की खुलकर सराहना करते हुए कहा "हर व्यक्ति को अपने जीवन के खास अवसर पर ऐसे प्रेरणादायक कार्य करने चाहिए, क्योंकि आज देश को वैज्ञानिक शिक्षा और सहयोग की सबसे ज्यादा जरूरत है।" वही कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं ने क्षेत्र में "बालिका भविष्य निर्माण केन्द्र" की स्थापना की मांग भी रखी, जिसका विधायक ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

इस मौके पर प्राचार्य रामचन्द्र बुनकर, नाथूलाल सैनी, नगर अध्यक्ष अलादीन खां, कैलाश गुर्जर, राकेश हलकारा, रवि मीणा, पंकज मिश्रा, सत्तार खां, मंगल सैनी, खेमचन्द असवाल, ताराचन्द बेनीवाल सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

खुले में कचरा डालने वाले लोगों पर कैमरे से निगरानी

-मौके पर टीम ने बुलाकर वसूला 3 हजार रुपये का जुर्माना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार जीवीपी (गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट) को पूरी तरीके से समाप्त करने के लिये विशेष नवाचार लागू किया गया है। जिसके तहत खुले में कचरा डालने वाले दोषी व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि शहर को ओपन कचरा डिपो मुक्त करने के लिये यह कदम उठाया गया है विशेष नवाचार के तहत झोटवाड़ा जोन से शुरूआत करते हुये जीवीपी पॉइन्टस पर कैमरे और हूटर लगाये गये है जिनकी नगर निगम ग्रेटर की टीम द्वारा निरन्तर विशेष मॉनिटरिंग की जा रही है। यदि कोई रहवासी या राहगीर इन स्थानों पर कचरा डालने आता है तो हूटर के माध्यम से तुरन्त चेतावनी दी जाती है। "कृपया कचरा यहां ना डाले, अपना कचरा साथ लेकर जाये अन्यथा आपके विरूद्ध चालानी कार्रवाई की जायेगी" आयुक्त ने बताया कि शीघ्र ही अन्य जोनों में भी कैमरे व हूटर लगाये जायेगे। शहर को स्वच्छ रखना हमारी पहली प्राथमिकता है।

हूटर की आवाज सुनते ही कचरा डालने वाले लोग चालानी कार्रवाई के डर से तुरन्त अपना कचरा वापस ले जाते है। इस पहल से खुले में कचरा डालने वाले की प्रवृत्ति पर रोक लगी है।

विशेष नवाचार के तहत बुधवार को पहली बार झोटवाड़ा जोन के वार्ड नं. 58 में एक व्यक्ति रात को क्लीनिक का कचरा डालते हुये कैमरे द्वारा कैद किया गया जिसकी विडियो आईटी सेल द्वारा झोटवाड़ा जोन टीम को भेजी गई। झोटवाड़ा जोन के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक प्रेम सिंह वैद्य एवं उनकी टीम द्वारा तुरन्त कचरा डालने वाले की पहचान करके मौके पर उसको बुलाकर कचरा सड़क पर डालने के उल्लंघन पर 3 हजार रूपये का जुर्माना वसूल किया। इसके साथ ही भविष्य में कचरा नहीं डालने पर दोषी व्यक्ति को पाबंद किया दोषी व्यक्ति ने मौके पर ही भविष्य में खुले में कचरा ना फैंकने की शपथ ली साथ ही अन्य लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

मनोहरपुर में धूमधाम से निकाली गई तिरंगा रैली

-भारत माता के जयकारों से गुंजायमान हुआ परिसर

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे की नगरपालिका परिसर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत एक भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। इस दौरान बुधवार को आयोजित इस रैली में पालिका अधिशासी अधिकारी हरिनारायण यादव, अध्यक्ष सुनीता प्रजापत, कनिष्ठ अभियंता वीरेंद्र यादव, पीयूष शर्मा, मोनू संगेलिया, चंद्रकला सैनी, फायर मेन, बाबूलाल गजन, गजानंद बेनीवाल, राजेंद्र बेनीवाल मुकेश गढ़वाल, मुरारी सैनी, निर्मल शर्मा, कैलाश गुर्जर, राजेंद्र खटाना, रिजवान खान और कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान रैली नगर पालिका से शुरू होकर टोल प्लाजा तक गई। इस दौरान नगर पालिका परिसर में जमकर 'भारत माता की जय' के नारे लगे। यह रैली 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत आयोजित की गई। वही नगर पालिका अध्यक्ष, कर्मचारी और अधिकारियों ने मिलकर इस रैली को सफल बनाया। वही प्रथम फेज 2 अगस्त से 8 अगस्त तक द्वितीय 9 अगस्त से 12 अगस्त तक, फेज तृतीय 13 अगस्त से 15 अगस्त तक स्कूलों की दीवारों पर चित्रकारी करनवाना, रंगोली कार्यक्रम का आयोजन तिरंगा राखी वर्कशॉप, तिरंगा नैला आयोजन होंगे। इस दौरान स्वाधीनता दिवस की वर्षगांठ के अवसर पर इस वर्ष 2 अगस्त 25 की अवधि में प्रदेश के विभिन्न विभागों एवं जिलों की सहभागिता एवं समन्वय से हर घर तिरंगा अभियान आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है। इस तरह मनोहरपुर में निकाली गई तिरंगा रैली ने लोगों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया। इसी प्रकार से कला साहित्य संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों के तहत संस्कृत शिक्षा विभागीय दिशा निर्देश अनुसार भीखावाला स्थित राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान बुधवार को संस्था प्रधान गजानन त्रिवेदी एवं शिक्षकों ने स्थानीय विद्यार्थियों के साथ गांव के मुख्य मार्ग से हाथों में तिरंगा लहराते हुए भव्य रैली का आयोजन किया गया। वही रैली के साथ साउंड पर देशभक्ति गीतों की धुन के साथ नागरिकों का मन मोह लिया। वही विद्यार्थियों का मिठाई खिलाकर और पुष्प वर्षा कर रैली का सम्मान किया गया। इस दौरान सांस्कृतिक एवं रैली के प्रभावी लाउडस्पीकर रैली के प्रभारी गयासी लाल यादव ने लाउडस्पीकर के माध्यम से दो अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए संदेश दिया। नागरिकों व विद्यार्थियों ने नारे लगाए तथा नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील की। इस अभियान को प्रभावशाली बनाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर अध्यापक रामचंद्र रेगर मंजू खटीक सीताराम यादव किरण यादव रामनिवास अशोक कुमार विनय कुमार हलदुनिया आदि मौजूद रहे।

भाजपा मंडल निकालेगा ऐतिहासिक तिरंगा रैली

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत गुरुवार को मनोहरपुर देशभक्ति के रंग में रंगने वाला है। दोपहर 2:30 बजे कस्बे के एक गार्डन से भाजपा मंडल की ऐतिहासिक भव्य तिरंगा रैली निकलेगी, जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर उमंग और जोश के साथ शामिल होंगे। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव ने बताया कि रैली के मुख्य अतिथि जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता देवायुष सिंह और पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल मौजूद रहेंगे। इस दौरान रैली गांधी चौक, बस स्टैंड, टोल टैक्स होते हुए अंबेडकर भवन नगर पालिका पहुंचेगी, जहां राष्ट्रनायक अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यह यात्रा सम्पन्न होगी।

नगर पालिका ने इस अवसर को और भव्य बनाने के लिए पूरे रैली मार्ग को देशभक्ति के रंगों से सजाने की तैयारी की है। गांधी चौक, बस स्टैंड, टोल प्लाजा और पालिका गेट पर विशेष रंगोलियां बनाई जाएंगी और प्रतिभागियों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था भी रहेगी।

मनोहरपुर की सड़कों पर सिर्फ तिरंगा और देशभक्ति का जोश नजर आएगा।

79वां राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह जोधपुर में- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। 79वां राज्यस्तरीय स्वाधीनता दिवस समारोह जोधपुर में भव्यता और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वतंत्रता दिवस के मौके पर शुक्रवार को जोधपुर जिले के बरकतुल्ला स्टेडियम में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय समारोह में सुबह 9 बज कर 5 मिनट पर झंडारोहण करेंगे। इस अवसर पर वे प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे। शर्मा इससे पहले सुबह 8:55 बजे जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पास शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यमंत्री गुरुवार को दोपहर बाद जोधपुर पहुंचेंगे, जहां वे स्वाधीनता दिवस समारोह की पूर्व संध्या पर मेहरानगढ़ फोर्ट में एट होम, सम्राट अशोक उद्यान में सांस्कृतिक कार्यक्रम और तिरंगा यात्रा में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार सुबह जयपुर से बीकानेर के लिए रवाना होंगे, जहां वे कोडेवाला बॉर्डर आउट पोस्ट (खाजूवाला) पर बीएसएफ के जवानों से संवाद करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री नाल गांव में तिरंगा यात्रा और बीकानेर शहर में विभाजन विभीषिका से जुड़े कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद जोधपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। मुख्यमंत्री का शुक्रवार दोपहर तक जयपुर लौटने का कार्यक्रम है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हैरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

वाईजीएन एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन अरशद अंसारी के जन्मदिन पर लोगो ने दी बधाई

-जन्मदिन पर नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। वाई जी एन एजुकेशन ग्रुप के अध्यक्ष अरशद अंसारी का जन्मदिन हर्षोल्लास से मनाया गया सुबह से ही उनके परिजन, परिचितों, मित्रगण, प्रशासनिक ओर राजनीति से जुड़े हुए लोग उनको बधाई देने के लिए दिन भर पहुंचते रहे। हर साल की तरह इस साल भी अपने जन्मदिन के अवसर सामाजिक सरोकार से जुड़ी पहल करते हुए निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर एवं मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस निःशुल्क मैडिकल कैंप में सैकड़ो लोगों ने शिविर में पहुंचकर जांच व उपचार का लाभ लिया और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयां भी दी गई। अरशद अंसारी ने इस अवसर पर कहा कि समाज सेवा ही सबसे बड़ा उपहार है और वह आगे भी ऐसे जनहित कार्यों को जारी रखेंगे इस मौके पर डीवाईएसपी अनीस अहमद, आर के अग्रवाल सुधा हॉस्पिटल, पूर्व राज्य मंत्री हरपाल सिंह राणा, अनूप ठाकुर, भार्गव

जी, हिम्मत सिंह हाडा नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष, सीनियर एडवोकेट जाकिर भाई, विकास नरवार, अब्दुल मतीन मंसूरी, मौलाना शारिक मदनी, मोहम्मद अखलाक, दिलदार अली, वसीम रंगरेज, आशिक अली, अफरोज खान, इकबाल मंसूरी जूनियर, मुजाहिद हुसैन मिंटू, गोपाल शर्मा मंडल उपाध्यक्ष, आशीष शर्मा, डॉक्टर सिद्दार्थ, मनोज जी, रफ़ीक़ भाई, राजीव शर्मा, महेश सोनी, शाहरुख भाई, हाफिज जाहिद मस्तान, हाफिज समीर भाई, शाकिर भाई, जावेद भाई, जुनेद भाई, मोहसिन भाई, जाकिर भाई, सोनू अब्बासी, बादशाह खान, बबलू पठान, सलीम अब्बासी, हाजी हयात, डॉ आबिद, डॉक्टर शादाब, नासिर भाई, निसार भाई, रेहाना अंसारी महिला अध्यक्ष, शाहनवाज अली, राजा वारसी अध्यक्ष हुसैनी सोसायटी, शहजाद भाई, शाहरुख भाई, शाकिर पठान, सैफ अली गोलू, अंकुश, कोषाध्यक्ष, हरिमोहन मेहरा, असलम रोमी, बबलू, तौसीफ भाई, मुश्ताक अंसारी, रमजानी अंसारी, ताज मोहम्मद, बफाती अंसारी, इलियास अंसारी, आफाक अंसारी, इरशाद अंसारी, अमजद अंसारी, डॉक्टर शाहिद, जाकिर भाई, अल्ताफ भाई, शब्बीर अंसारी, सैयद वाहिद अली, सोहेल भाई, अबरार भाई, जुनेद भाई, शमशेर भाई, मुस्तनिर, तौसी सहित कई लोग ओर समाजसेवी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

प्लास्टिक मुक्त भारत की ओर इनरव्हील क्लब बारां का प्रेरक कदम

-कपड़े के थैलों का हुआ विमोचन

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष नीतु गुप्ता ने कहा कि "अगर हम आज बदलाव नहीं लाएँगे, तो कल हमारे आने वाली पीढ़ियों के पास स्वच्छ हवा और सुरक्षित धरती नहीं होगी।" यही सोच लेकर क्लब ने वातावरण को स्वच्छ बनाने और प्रकृति को संरक्षित करने के लिए प्लास्टिक की थैलियों का बहिष्कार करते हुए कपड़े के थैले तैयार करवाए। ये थैले न सिर्फ उपयोगी हैं, बल्कि हमारी धरती के लिए एक नया जीवन-संदेश भी हैं। कार्यक्रम में सचिव सीमा सिंह ने कहा कि यह अभियान सिर्फ थैलों का वितरण नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सौंपने का संकल्प है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उर्मिला जैन भाया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि

छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं। साथ ही राधेश्याम गर्ग, ललित मोहन खंडेलवाल, योगेश बाटा ओर सूर्य प्रकाश ने भी अपनी उपस्थिति से अभियान का उत्साह बढ़ाया। इन कपड़े के थैलों का विमोचन किया जा चुका है और इन्हें शीघ्र ही बाजार में वितरित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग इस आंदोलन से जुड़ें और प्लास्टिक मुक्त भारत का सपना साकार हो सके इस अवसर पर ललिता टोंगिया, अनीता सेठी, सुमन गोयल, विनीता विजय, मीना अरोरा, मृदुला मारू, शिल्पा अग्रवाल, नेहा गुप्ता, प्रेरणा शर्मा, शीला गोयल सांगोद, चंदा ठाकुरिया, दिव्या जैन, सुलेखा जैन, चारु गुप्ता, सीमा अग्रवाल, ममता नागर, आराधना ओझा सहित क्लब की अन्य सदस्या उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में नीतू गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और जल्दी ही मार्केट में थैले वितरित करने की बात कही।

नवनियुक्त कांग्रेस पदाधिकारियों का किया स्वागत

पाली (रॉयल पत्रिका)। आज कांग्रेस भवन पाली में नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिला क्रीड़ा परिषद उपाध्यक्ष यशपाल सिंह कूम्पावत द्वारा जिला उपाध्यक्ष गुलाब सिंह गिरवर, रतन उदेश, सज्जन बी राज, संतोख सिंह बाजवा, महासचिव आमीन अली रंगरेज, जिला प्रवक्ता रफीक चौहान सोशल मीडिया प्रभारी मांगुसिह दूदावत, अभिषेक चोपडा, सचिव शहजाद शेख़, लक्ष्मण कच्छवाहा, विनोद मोदी, रमेश चावला, जावेद गौरी, राजू सिंह सोनाई, भेराराम गुर्जर, प्रकाश चौहान सहित नवनियुक्त कार्यकारीणी के पदाधिकारियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कोठारी, मण्डल अध्यक्ष रघुनाथ सिंह मण्डली, सचिन हिंगड, असगर खत्री, साबिर अशरफी एवं अन्य कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

चौमूं पुलिस की बड़ी कार्रवाई: रात्रि गश्त में बाइक चोर दबोचा

-सीकर से चोरी की बाइक बरामद

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं थाना पुलिस की कार्रवाई पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान बाइक चोर को किया गिरफ्तार। आरोपी के पास से सीकर से चुराई गई बाइक को किया बरामद पुलिस ने आरोपी दिनेश कुमार बावरिया निवासी अलवर को किया गिरफ्तार। आरोपी जयपुर में बाइक चोरी करने की फिराक में जा रहा था पुलिस ने रात्रि चेकिंग के दौरान चौमूं में आरोपी को दबोचा चौमूं SHO प्रदीप शर्मा के निर्देश पर हुई कार्रवाई।

बिना मैन्युफेक्चरिंग लाइसेन्स के चल रहे चैनजी हलवा के गोदाम पर खाद्य विभाग की छापेमारी

-गोदाम में मिली अनेक अनियमिताये, लाईसेन्स नहीं बनने तक हलवा बनाने पर रोक

पाली (रॉयल पत्रिका)। जिले में मिलावटखोरो के खिलाफ विशेष अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के दिशा निर्देश पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री व सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल के निर्देशानुसार प्रसिद्ध चैनजी हलवा के गोदाम पर दबिश देकर खाद्य विभाग की टीम ने बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा व दिलीप सिंह यादव के नेतृत्व में सुधा नगर नया बस स्टेण्ड के सामने चैनजी हलवा वाले के गोदाम का निरिक्षण करने पर पाया की वर्षों से चैनजी हलवा के नाम से प्रसिद्ध मिठाई वाले खाद्य कारोबारकर्ता के पास मैन्युफेक्चरिंग लाईसेन्स ही नही था। साथ ही खाद्य पदार्थ जैसी चीज़ों का निर्माण करने वाल गोदाम में कार्यरत 10 से 12 कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस सटीफिकेट नहीं थे व हलवा निर्माण गोदाम में गन्दगी पायी गयी। निरीक्षण के दौरान अनेक प्रकार की अनियमितताएं पायी गयी, जो की

भारतीय खाद्य मानक प्राधिकरण के नियमों का उल्लंघन था। इन सभी तथ्यो को ध्यान में रखते हुये खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा एफबीओ को नोटिस दिया गया तथा मैन्युफेक्चरिंग लाईसेन्स नहीं बनने तक गोदाम में हलवा नही बनाने के लिए पांबद किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा ने गोदाम से हलवा व घी का सेम्पल लिया साथ ही खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप सिहं यादव ने हलवे निर्माण के लिए उपयोग में लिये जाने वाले दूध का सेम्पल जांच के लिए लिया, जिसे जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भिजवाया गया। जहां से रिपोर्ट प्राप्त होने पर कानूनी कार्यवाही को अंजाम दिया जायेगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के साथ ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत, फुड सैफ्टी टैक्निशियन खुशाल चन्द सैन, रेक्सो चालक लक्ष्मणदान चारण उपस्थित रहे। बिना लाइसेंस के केवल रजिस्ट्रेशन के द्वारा उत्पादन किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि खाद्य कारोबारी के द्वारा खाद्य रजिस्ट्रेशन के आधार पर उत्पादन किया जा रहा था जबकि नियमानुसार सही नहीं है उत्पादन करने के लिए खाद्य लाइसेंस का होना आवश्यक है जो कि खाद्य कारोबारी के पास उपलब्ध नहीं था।

सवाई माधोपुर नगर परिषद क्षेत्र में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, नागरिक परेशान

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, जिससे आमजन भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। शहर के अंसारी मोहल्ला, बरकत कॉलोनी,गलता रोड,खंगार मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, सौरती बाजार सहित अनेक क्षेत्रों में नगर परिषद द्वारा संचालित कचरा संग्रहण वाहन कई दिनों से नियमित रूप से नहीं आ रहे हैं। न तो इन वाहनों के आने का कोई तय समय है और न ही कोई नियमित व्यवस्था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी-कभार वाहन आते भी हैं तो कई दिनों तक दोबारा नहीं दिखाई देते। इस लापरवाही के चलते गलियों और घरों के बाहर कचरे के ढेर लग गए हैं, जिससे दुर्गंध फैल रही है और वातावरण अस्वस्थ हो गया है। कई स्थानों पर सीवरेज चेंबर से

गंदा पानी बाहर बह रहा है, जिससे मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ने के साथ ही बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। क्षेत्रवासियों ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से नियमित कचरा संग्रहण व्यवस्था बहाल की जाए, सीवरेज की सफाई व मरम्मत की जाए और सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए। असरारउद्दीन पार्षद वार्ड संख्या 42 के पार्षद ने बताया कि सफाई कर्मी से सफाई करने को कहने पर वह यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि यह उनका काम नहीं है, उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है और दो-दो वार्डों में काम सौंप रखा गया है, जबकि सरकारी कर्मचारी आते ही नहीं। महीनों से कचरा ढोने वाली गाड़ियां व ऑटो-टीपर बंद पड़ी हैं। फोन करने पर कभी 'गाड़ी पंचर' तो कभी 'शीशा टूटा' बताकर बहाना बना दिया जाता है। सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के स्थान पर अब तक नए कर्मचारी नियुक्त नहीं किए गए हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

कांग्रेस द्वारा वोट चोरी के खिलाफ मिसाल जुलूस निकाला जाएगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी व शहर ब्लॉक कांग्रेस व देहात ब्लॉक कांग्रेस वोट चोरी के खिलाफ विशाल मशाल जुलूस, निकाला जाएगा । चूरू जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस से वीरगति स्मारक (शहीद स्मारक) तक कल 14 अगस्त 2025 शाम 7.30 प्रदेश कांग्रेस के आहवान पर चूरू जिला कांग्रेस कमेटी की ओर मशाल जुलुश निकाला जाएगा ।संपूर्ण भारत वर्ष में भाजपा और चुनाव आयोग की मिली भगत से वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही है जिसका पुख्ता सबूत लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा दिया गया है उसके बाद भी भाजपा और चुनाव आयोग दोनों जवाब देने की बजाय टालमटोल कर रहे है इसी कारण संपूर्ण भारत वर्ष में वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस द्वारा आंदोलन चलाया जा रहा है इसी कड़ी में कांग्रेसजन आमजन के साथ मशाल जुलुश में शामिल होगे।

सौलर कनेक्शनों के रजिस्ट्रेशन के लिए चिन्हित गांवों में लगेंगे शिविर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत सरकार द्वारा आदर्श सौर ग्राम योजना विशेष रूप से गांव के विकास पर केन्द्रित है जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले में 5 हजार से अधिक आबादी वाले गांवों में एक मॉडल सौलर ग्राम बनाना है। अधीक्षण अभियंता विद्त विभाग बी.एल. मीना ने बताया कि आदर्श सौर ग्राम के लिए जिला स्तरीय समिति द्वारा सवाई माधोपुर जिले के 11 गांव चिन्हित किए गए। जिनमें मलारना चौड़, मलारना डूंगर, पिपलदा, शिवाड़, सारसोप, भगवतगढ़, चौथ का बरवाड़ा, कुस्तला, सूरवाल, खिलचीपुर एवं छाण शामिल है। उन्होंने सभी सहायक अभियंताओं को आदेश जारी कर उनके अधीनस्थ चिन्हित गांवों में शिविर लगाकर अधिक से अधिक सौलर कनेक्शनों का रजिस्ट्रेशन करवाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त को मलारना चौड़, पिपलदा, शिवाड़, सारसोप, सूरवाल एवं छाण में, 19 अगस्त को मलारना डूंगर एवं खिलचीपुर में, 21 अगस्त को भगवतगढ़ एवं चौथ का बरवाड़ा में तथा 22 अगस्त को कुस्तला में संबंधित कार्यालय परिसर में प्रातः 10 बजे से सांय 5 बजे तक शिविर आयोजित कर सौलर कनेक्शनों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविरों में सभी सहायक अभियंता संबंधित सरपंच, सौलर वेन्डर, ग्राम सेवक एवं फीडर इंचार्जो की आवश्यक रूप से उपस्थित सुनिश्चित करें। साथ ही चिन्हित गांवों में अधिक से अधिक सौलर संयंत्र स्थापित करवाने के लिए लोगों में जागरूक करें और रजिस्ट्रेशन की सूचना वृत कन्ट्रोल रूम में दर्ज करवाएं।

चूरू ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों में भामाशाह हीरावत द्वारा टेबल व बेंच भेंट

चूरू (रॉयल पत्रिका)। ब्लॉक के महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय रामपुरा बास चूरू, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जसरासर व राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय जसरासर में मदन लाल मीणा निवासी रतननगर की प्रेरणा से भामाशाह राजेंद्र कुमार हीरावत द्वारा तीनों विद्यालयों में कुल 35 सेट टेबल व बेंच जो कि लगभग 100 छात्र छात्राओं की बैठक व्यवस्था के रूप में उपयुक्त है, तीनों विद्यालयों में तैयार करवाकर भेंट किये। इस अवसर पर प्रधानाचार्य संजीव धैतरवाल ने बताया कि राजेंद्र कुमार हीरावत द्वारा विभिन्न अस्पताल,विद्यालयों व अन्य संस्थाओं में दान दिया जाता रहा है इसी कड़ी में हमारे विद्यालय में उक्त दान हेतु सह प्रेरक के रूप में वरिष्ट शारीरिक शिक्षक महावीर प्रसाद मीणा द्वारा अग्रणी भूमिका निभायी गयी।

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता कार्यक्रम के तहत तिरंगा शपथ लेकर सेल्फी पोईन्ट पर तिरंगे के साथ सेल्फी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया के निर्देशानुसार आजादी का अमृत महोत्सव अन्तर्गत हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर पंचायत समिति सवाई माधोपुर एवं समस्त ग्राम पंचायतों में बडे हर्षोल्लास से मनाया जा रहा है। विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद मीना ने बताया कि पंचायत समिति सवाई माधोपुर के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के द्वारा तिरंगा शपथ ली गई एवं सेल्फी पोईन्ट पर तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा लोन्च हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड की गई एवं इसकी फोटो एवं विडियों पंचायत समिति सवाई माधोपुर के सोशल मिडिया अकाउन्ट पर भी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति सवाई माधोपुर एवं अधीनस्थ समस्त ग्राम पंचायतों में तिरंगा रंग की एलईडी लाईटिंग

से सजावट की गई एवं सजावट करने के लिए स्थानीय व्यक्तियों को भी प्रोत्साहित किया गया। सभी ग्राम पंचायतों में करीब 10 हजार तिरंगे न्यूनतम दर पर खरीद कर ग्राम पंचायतों में लोगो को अपने घरो पर लगाने हेतु न्यूनतम दर पर वितरीत किये गये साथ ही 15 अगस्त 2025 के मध्य देश भक्ति का माहोल बनाने एवं इसका आव्हान करने से संबंधित कई कार्यक्रम जन सहभागिता के साथ सम्पूर्ण ग्राम पंचायतों मे तीन चरणों में आयोजित किये जा रहे है। उक्त कार्यक्रमों को गांव के जनप्रतिनिधियों, स्थानीय स्वंय सहायता समूह, दानदाताओं एवं सक्रिय व्यक्तियों आदि को कार्यक्रम की आवश्यकता एवं रूपरेखा के अनुसार आंमत्रित किया गया। पंचायतीराज संस्थाओं के समस्त कार्मिक, स्थानीय स्वंय सहायता समूह एवं गणमान्य व्यक्तियों से सुजल गांव शपथ करवायी गई। 15 अगस्त तक राजकीय भवनो की सजावट, तिरंगे के साथ सेल्फी एवं ध्वज फेराने एवं तिरंगा यात्रा निकालने के कार्यक्रम/गतिविधियों को हर घर तिरंगा वेबसाईट पर अधिक से अधिक अपलोड किया जा रहा है हर कोई इस राष्ट्रीय पर्व में बढ-चढकर हिस्सा ले रहे है।

सौर ऊर्जा योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश- कलक्टर

जिला कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की प्रगति पर चर्चा

कोटा (रॉयल पत्रिका)। जयपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड (जेवीवीएनएल) के कार्यों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक बुधवार को कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अधीक्षण अभियंता एस.सी. जांगिड़ ने विभिन्न योजनाओं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी दी।

कुसुम योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी

कलक्टर ने कुसुम योजना ए, बी और सी के अंतर्गत विभिन्न वर्गों की प्रगति की जानकारी लेते हुए धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कृषि विभाग, उद्यान विभाग और जेवीवीएनएल को आपसी समन्वय कर अधिक से अधिक लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए।

विद्त कनेक्शन विहीन परिवारों को जोड़ने पर जोर

कलक्टर ने कहा कि जिन लोगों के पास विद्त कनेक्शन नहीं है, उन्हें सौर ऊर्जा अपनाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया जाए। उन्होंने बताया कि सौर ऊर्जा न केवल लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि पर्यावरण

संरक्षण में भी समाज का महत्वपूर्ण योगदान सिद्ध होगी।

आवेदन बढ़ाने और फील्ड में पर्यवेक्षकों की तैनाती

बैठक में विभागों से अब तक आए आवेदनों और उनमें से लाभ देने योग्य आवेदनों की संख्या की जानकारी ली गई। कलक्टर ने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त किए जाएं और कृषि पर्यवेक्षकों को लक्ष्य देकर फील्ड में भेजा जाए।

15 सितंबर तक करें सर्वे पूर्ण कर रूफ टॉप सोलर पर जल्द काम शुरू करने के निर्देश

हेम के तहत सरकारी कार्यलयों में रूफ टॉप सोलर लगाने की समीक्षा करते हुए कलक्टर ने कम प्रगति पर असंतोष जताया। उन्होंने कार्य कर रही फर्मों को निर्देश दिए कि 15 सितंबर तक सभी सरकारी कार्यालय भवनों का सर्वे पूरा कर, नियमानुसार कार्य शुरु करें।

ब्लॉकवार लक्ष्य निर्धारण और विक्रेता सूची जारी करने के निर्देश

रूफटॉप सोलर कार्यक्रम के तहत जिला कलक्टर समारिया ने ब्लॉक स्तर पर लक्ष्य तय करने और प्रत्येक कार्यपालक अभियंता ,सहायक अभियंता को लक्ष्य सौंपने के निर्देश दिए। साथ ही, सभी उपखंड अधिकारियों को लक्ष्य की जानकारी देते हुए उनको विक्रेताओं की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा, ताकि कार्यों में जल्द प्रगति हो सके।

फीडर बायफरकेशन पर समीक्षा और दिशा-निर्देश

बैठक में फीडर बायफरकेशन की प्रगति की भी समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधीक्षण अभियंता एस.सी. जांगिड़ ने विभागीय कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

सफर-ए- मदीना पर जा रहे हाजियों का किया इस्तकबाल

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय मोहल्ला व्यापारीयान और वनविहार कालोनी से, उमराह हज यात्रा पर जाने वाले जत्थे का इस्तकबाल किया गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ज़फ़ीक मंडेलिया ने कहा अल्लाह आप की उमराह हज क़ुबूल अता फरमाएं। मक्का और मदीना वही जाते है जो खुशनसीब होते है, दुवाएं हैं, दीदार ए-मदीना रब सबको फरमाए। चूरू से मोहम्मद शरीफ एव उनकी अहलिया व अरमान आखनं ओर उनकी वालिदा उमराह हज की मुकद्दस यात्रा जाने पर उनके निवास स्थान पर कांग्रेसजनों के साथ सम्मान शॉल साफा ओढ़ाकर ओर मालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर , युवा नेता इरशाद मंडेलिया,धर्मेन्द्र बुडानिया, आदुराम न्यौल, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष असलम खोखर, देहात अध्यक्ष किशोर धांधू , नारायण बालान, इशाक कुरेशी,हेमन्त सिहाग हर्ष लाम्बा, पार्षद अज़ीज़ खान पार्षद, शाहरूख खान, आबिद खान जाबासरिया, तारीख़ नागौरी, संजय भाटी, पार्षद अनीश खान, शिवकुमार शर्मा, आरिफ़ रिसालदार, समीउल्लाह गोरी, आदि ने इस्तकबाल किया और हज यात्रा पर जाने वाले से देश और प्रदेश में अमन चैनल व खुशहाली की दुवाएं करने की गुजारिश की ।

भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा इंद्रमणि पार्क से सुभाष चौक तक निकलेगी

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा इन्द्रमणि पार्क से गुरूवार को सुभाष चौक तक निकलेगी। विभाजन विभिषिका संगोष्ठि मे भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता व आमजन करेगे शिरकत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा हर घर तिरंगा एवम् ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ऐतिहासिक विजय को मनाने के लिए तिरंगा यात्रा गुरूवार को सुबह 9.30 बजे इन्द्रमणी पार्क से रवाना होकर सुभाष चौक पहुचेगी। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा में 200 फुट लंबे तिरंगे झण्डे को फहराया जायेगां यह यात्रा ढोल ताशो नगाड़ो एवम् स्थानीय वादय यंत्रो के साथ निकाली जायेगी। उन्होने बताया कि तिरंगा यात्रा में भारत माता एवम् विभिन्न देश भक्ति से जुड़ी हुई झांकिया प्रदर्शित की जाएगी। कार्यक्रम के जिला संयोजक भास्कर शर्मा ने बताया कि इस संगोष्ठि में पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, जिला प्रमुख वन्दना आर्य, प्रधान दीपचन्द राहड़, सहित सभी वरिष्ठ नेता आमजन एवम् कार्यकर्ता उपस्थित रहेगे। इस संदर्भ में जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित हुई व तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैठक में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मदनगोपाल बालाण, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अजीत मेघवाल, मदनगोपाल बालाण, जयपालसिंह टकणेत, रजत शर्मा, कपील रक्षक, हरिश वर्मा, नितिन बुन्देला, आकाश सैनी, हाजी सरीफ, मोहम्मद इस्लाम, दीनदयाल खारड़िया, मनोज तंवर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मा योजना के तहत 45 किसान होंगे सम्मानित

श्रीगंगानगर, (रॉयल पत्रिका)। कृषि विभाग की आत्मा योजना अन्तर्गत इस वर्ष 45 कृषकों को पुरस्कार दिया जायेगा। पुरस्कार की राशि पंचायत समितिवार 35 कृषकों को 10-10 हजार रूपये इनाम व 10 कृषकों को 25-25 हजार रूपये का इनाम दिया जायेगा। प्रत्येक पंचायत समिति में 5-5 कृषकों को पुरस्कृत किया जायेगा। इच्छुक कृषक इनाम के आवेदन पत्र आत्मा कार्यालय या अपने क्षेत्र के कृषि पर्यवेक्षक से प्राप्त कर सकते हैं। मंगलवार को संयुक्त भ्रमण के दौरान पंचायत समिति सूरतगढ़ में किसानों को उप निदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक (आत्मा) विनोद सिंह गौतम ने बताया कि योजना अन्तर्गत इस वर्ष 45 कृषकों को पुरस्कार दिया जायेगा। इच्छुक कृषक इनाम के आवेदन पत्र आत्मा कार्यालय या अपने क्षेत्र के कृषि पर्यवेक्षक से प्राप्त कर सकते हैं। उप परियोजना निदेशक (आत्मा) सुदेश कुमार द्वारा प्राकृतिक खेती के घटक बीजामृत, जीवामृत, घन जीवामृत, वर्मी वास, पंचगव्य आदि निर्माण की विधियों एवं इनका प्राकृतिक खेती में उपयोग करने की तकनीकी जानकारी दी। प्रकाश चन्द्रा सहायक निदेशक ने बताया कि कपास फसल को फूल अवस्था में आने पर निरीक्षण कर नीम बेस्ड ऑयल व अन्य बताये गये कीटनाशकों का छिड़काव अवश्यक रूप से करें। गुलाबी सुण्डी की निगरानी के लिए खेत में प्रति हैक्टेयर 5 फैरोमेन ट्रेप अवश्य लगायें तथा उनका प्रतिदिन निरीक्षण करें एवं विभागीय सिफारिश अनुसार जैविक कीटनाशक व रसायनों का छिड़काव अवश्य करें। सहायक वनस्पति संरक्षण अधिकारी लोकेश कुमार मीणा द्वारा कपास फसल में लगने वाले कीटों का एकीकृत नाशी जीव प्रबन्धन के द्वारा किस तरह नियंत्रण किया जाता है, की सम्पूर्ण जानकारी दी गई। कृषि अनुसंधान अधिकारी एटीसी श्रीकरणपुर नरेन्द्र कुमार द्वारा खरीफ फसलों में लगने वाले कीटों की विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर साहब राम सहायक कृषि अधिकारी व बिरमा कृषि पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

-उप चुनाव, हर घर तिरंगा तथा हरियाणा राजस्थान अभियान की समीक्षा

डूंगरपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने मंगलवार को ईडीपी सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली तथा विभाग वार संपादित हो रहे कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में पीएचईडी, पीडब्ल्यूडी, वन विभाग, राजीविका, पशुपालन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, एबीएनएल, कृषि विभाग, जल संसाधन, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, उद्योग, शिक्षा सहित अन्य विभागों के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने धरती आबा अभियान के अंतर्गत प्रस्ताव भेजने, राजकीय कार्यालय में स्मार्ट मीटर लगने, सीएलएफ भूमि आवंटन, हरियालो राजस्थान के अंतर्गत वृक्षारोपण, मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय में व्यवस्थाओं, सड़क मरम्मत, 33 केवी फीडर आदि की जानकारी ली और निर्देश प्रदान किये। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में लंबित प्रकरणों के ब्लॉक वाइज सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने ई फाइल, संपर्क पोर्टल प्रकरण निस्तारण की समीक्षा करते हुए न्यून प्रगति वाले विभागों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने उपचुनाव हेतु पोलिंग बूथ, सेक्टरमजिस्ट्रेट, कानून व्यवस्था, रूट चार्ट, वाहन व्यवस्था, प्रशिक्षण आदि की जानकारी लेते हुए निर्देश प्रदान किये।बैठक में 13 अगस्त को प्रातः प्रातः 8 बजे लक्ष्मण मैदान से शुरू होने वाले तिरंगा यात्रा तथा दोपहर 01 कॉलेज ग्राउंड से शुरू होने वाले तिरंगा रैली के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्रधाकड़, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनिल पहाड़िया, उपखंड अधिकारी साबरमल अबासरा सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ग्राम बुटिया मंडल में भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। ग्राम बूटियां मण्डल में भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन जिलाध्यक्ष बसत शर्मा व मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार कस्वां के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि हमारा तिरंगा हमारी शान का प्रतीक है। देश के लोगों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प के प्रति विश्वास दिखाई दे रहा है और देश के प्रत्येक क्षेत्र में वातावरण देश भक्ति पूर्ण बन गया है। विधानसभा संयोजक पदम सिंह राठौड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना की श्रेष्ठता को सिद्ध कर दिया है और लोग स्वत स्फूर्त तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन में जुड़ रहे है। कार्यक्रम में प्रधान दीप चंद्र राहड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंडल अध्यक्ष विजय कुमार कसवा ने आभार जताया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष बसत शर्मा, विधानसभा संयोजक पदमसिंह राठौड़, पंचायत समिति प्रधान दिपचन्द राहड़, बूटियां मण्डल अध्यक्ष विजय कुमार कस्वां द्वारा पूर्व सैनिको का सम्मान किया गया। जिसमें हरचंद कस्वां, प्रतापसिंह कस्वां, हरफुल कस्वां, सुरजाराम प्रजापत, अमरसिंह सरावग, सुभाष कस्वां, मनोज शर्मा, नेताराम प्रजापत, सुभाष कस्वां (एयरफोर्स), राजेश ढाका, लालचंद कस्वां का सम्मान किया गया। इस असवर पर अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस जवानों की तिरंगा बाइक रैली का हुआ भव्य स्वागत देशभक्ति के रंग में रंगा अजमेर

-जगह-जगह पुष्पवर्षा से गूंजे भारत माता के जयघोष

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को पुलिस लाइन से पुलिस जवानों की भव्य तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। जिला कलक्टर लोक बन्धु एवं पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिमांशु जांगिड़ एवं डॉ. दीपक भी मौजूद रहे। रैली पुलिस लाइन से प्रारंभ होकर बस स्टेशन, कचहरी रोड़, गांधी भवन, महावीर सर्किल, बजरंगगढ़ चौराहा, पुरानी चौपाटी, वैशाली नगर होते हुए नई चौपाटी पहुंची। वहां नगर निगम द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता मेला में शामिल हुई। रास्ते भर पुलिस जवानों के उत्साह और उमंग ने माहौल को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के गगनभेदी नारों के बीच तिरंगे से सजी बाइकों का काफिला जैसे-जैसे शहर के मुख्य मार्गों से गुजरा, नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर जवानों का भव्य स्वागत किया। स्थानीय लोगों ने भी तिरंगा हाथ में लेकर रैली में शामिल जवानों का अभिनंदन किया और स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली ने हर घर पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का सशक्त संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

परिवार कल्याण प्रोत्साहन जिला स्तरीय सम्मान समारोह

-जनसंख्या स्थायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित हुए चयनित संस्थान एवं कार्यकर्ता

चित्तौड़गढ़, (रॉयल पत्रिका)। जनसंख्या स्थायित्व के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली चिकित्सा संस्थाओं, पंचायत समितियों, ग्राम पंचायतों, निजी चिकित्सालयों, गैर-सरकारी संगठनों एवं व्यक्तियों को परिवार कल्याण प्रोत्साहन पुरस्कार योजना वर्ष 2024-25 के अंतर्गत मंगलवार को जिला स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला कलक्टर (भू.अ.) रामचन्द्र खटीक एवं संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जोन उदयपुर, डॉ. प्रकाश चन्द्र शर्मा ने की। इस अवसर पर अति. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (प.क.) डॉ. घनश्याम चावला ने जनसंख्या स्थायित्व के उद्देश्य, महत्व, वर्तमान स्थिति, जनसंख्या नियंत्रण नीतियों, परिवार नियोजन कार्यक्रम तथा इसमें अधिकारियों, कर्मचारियों, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ताराचंद गुप्ता ने सीमित परिवार के लाभ, बच्चों मंप अंतराल रखने की आवश्यकता, अंतरा गर्भनिरोधक इंजेक्शन के महत्व एवं योग्य दंपत्तियों से संवाद के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगिनियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर आशान्वित खंड निम्बाहेड़ा को राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर BCMO डॉ. अनुराधा मीणा एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। वहीं जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ की प्रधान देवेंद्र कंवर एवं टीम को पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त जिले की प्रत्येक पंचायत समिति से एक सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत को सम्मानित किया गया, जिनमें बोरखेड़ा (बड़ीसादड़ी), जयनगर (बेंगू), आक्या (भदेसर), फलासिया (भोपालसागर), आछोड़ा (चित्तौड़गढ़), नगांवली (डुंगला), सादी (गंगरार), करजली (कपासन), भगवानपूरा (निम्बाहेड़ा), हरनाथपुरा (राशमी), एकलिंगपुरा (भेंसरोड़गढ़) शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थानों में— सरकारी चिकित्सालय : उप जिला चिकित्सालय, बेगूं, सीएचसी : कनेरा (निम्बाहेड़ा), पीएचसी : बाड़ी (निम्बाहेड़ा)

भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा इंद्रमणि पार्क से सुभाष चौक तक निकलेगी

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाजपा द्वारा तिरंगा यात्रा इन्द्रमणि पार्क से गुरूवार को सुभाष चौक तक निकलेगी। विभाजन विभिषिका संगोष्ठि मे भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता कार्यकर्ता व आमजन करेगे शिरकत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा हर घर तिरंगा एवम् ऑपरेशन सिंदूर में भारत की ऐतिहासिक विजय को मनाने के लिए तिरंगा यात्रा गुरूवार को सुबह 9.30 बजे इन्द्रमणी पार्क से रवाना होकर सुभाष चौक पहुचेगी। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा में 200 फुट लंबे तिरंगे झण्डे को फहराया जायेगां यह यात्रा ढोल ताशो नगाड़ो एवम् स्थानीय वादय यंत्रो के साथ निकाली जायेगी। उन्होने बताया कि तिरंगा यात्रा में भारत माता एवम् विभिन्न देश भक्ति से जुड़ी हुई झांकिया प्रदर्शित की जाएगी। कार्यक्रम के जिला संयोजक भास्कर शर्मा ने बताया कि इस संगोष्ठि में पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, प्रदेश मंत्री डॉ वासुदेव चावला, जिला प्रमुख वन्दना आर्य, प्रधान दीपचन्द राहड़, सहित सभी वरिष्ठ नेता आमजन एवम् कार्यकर्ता उपस्थित रहेगे। इस संदर्भ में जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित हुई व तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। बैठक में जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र सैनी, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष मदनगोपाल बालाण, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अजीत मेघवाल, मदनगोपाल बालाण, जयपालसिंह टकणेत, रजत शर्मा, कपील रक्षक, हरिश वर्मा, नितिन बुन्देला, आकाश सैनी, हाजी सरीफ, मोहम्मद इस्लाम, दीनदयाल खारड़िया, मनोज तंवर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृष्ण गोपाल को राज्यपाल ने प्रदान की पीएचडी की उपाधि

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। माहीडेम रोड़, बदडी ग्राम, बांसवाड़ा में स्थित गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को आयोजित छठे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे थे। समारोह में एटीएस-एसओजी के एडीजी विजय कुमार सिंह, प्रबंध मंडल के सदस्य व विधायक कैलाश मीणा, विधायक शंकरलाल डेचा, एमडीएस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सुरेश अग्रवाल, पूर्व कुलपति गुलाब सिंह सहित अकादमी परिषद के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने बोबाड़ी (जमवारामगढ़) निवासी कृष्ण गोपाल (शिक्षा) को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत कलेक्ट्रेट में लगाई गई प्रदर्शनी

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्वाधीनता आंदोलन पर आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने फीता काटकर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। साथ ही प्रदर्शित सामग्री का अवलोकन करते हुए संबंधित जानकारी पर चर्चा की। इस प्रदर्शनी में विरासत के रूप में संजोए गए स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र, उनके जीवन से जुड़े लेख, उस दौर की घटनाओं का विवरण और भारत की आज़ादी से जुड़े साक्ष्य प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी में रखी गई तस्वीरें उस समय की ऐतिहासिक गाथा को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर रही थीं। इसके साथ ही एनसीसी द्वारा आईएनएस युद्ध प्रशिक्षण पोत का मॉडल भी प्रदर्शित किया गया। इसने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि जिले में हर घर तिरंगा अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भवनों पर पेंटिंग्स, विभिन्न प्रतियोगिताएं, रैलियां, मेले, सेल्फी कैंपेन सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने स्वयं भी तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर हर घर तिरंगा पोर्टल पर अपलोड की और आमजन से अपील की कि 13 से 15 अगस्त के बीच सभी अपने-अपने घरों, दुकानों, प्रतिष्ठानों और कार्यालयों पर तिरंगा फहराएं तथा पोर्टल पर तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड कर इस राष्ट्रीय अभियान में भागीदारी निभाएं। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में लगाए गए कैनवास पर हस्ताक्षर कर अभियान में अपनी भागीदारी दर्ज कराई। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी, नगर निगम की राजस्व अधिकारी श्रीमती नीलू गुर्जर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एएसआई शंकरलाल मीणा 5 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। गोविन्दगढ़ पुलिस थाने में एसीबी की कार्रवाई गोविन्दगढ़ थाने के ASI शंकरलाल को पांच हजार रिश्वत लेते किया ट्रैप अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में हुई कार्रवाई किसी मुकदमे में गाड़ी छोड़ने की ऐवज में 65 हजार रुपए की गई थी डिमांड आरोपी एएसआई शंकरलाल 60 हजार रुपए पीड़ित से पहले कर चुका था प्राप्त आज 5 हजार की रिश्वत की राशि के साथ आरोपी एएसआई शंकरलाल मीणा को किया ट्रैप आरोपी एएसआई शंकर लाल मीणा करीब 2 वर्ष से गोविंदगढ़ थाने में था कार्यरत इससे पहले भी वर्ष 2022 में गोविंदगढ़ थाने के SHO को किया गया था।

कहीं सेहत न बिगाड़ दे बरसात के पानी से सड़ा गेहूं

शादाब अली

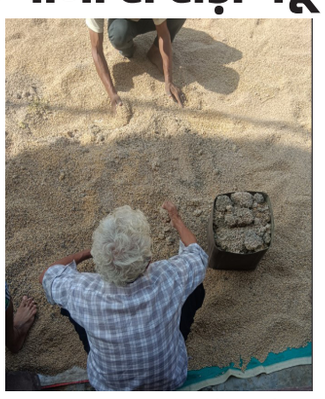

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। सवाई माधोपुर के पुराने शहर स्थित अंसारी मोहल्ला में मरकज मस्जिद के नीचे संचालित उचित मूल्य की दुकान में बरसात के कहर से उपभोक्ताओं की सेहत पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं। पिछले दिनों हुई तेज़ और लगातार बारिश से दुकान में पानी भर गया, जिसके कारण लगभग 200 से अधिक गेहूं के कट्टे पूरी तरह सड़-गल गए। जानकारी के अनुसार, कट्टों के अंदर बड़े-बड़े ढीम (गांठें) बन गई हैं और गेहूं काला पड़ चुका है, जिससे तेज़ दुर्गंध फैल रही है। हैरानी की बात यह है कि दुकान संचालक इस सड़े गेहूं को चौक में फैलाकर उपभोक्ताओं में बांटने की तैयारी कर रहा है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि इस तरह का सड़ा हुआ अनाज खाने से गंभीर पेट के संक्रमण, फूड पॉयजनिंग और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को तुरंत हस्तक्षेप कर इस गेहूं को नष्ट कराना चाहिए, ताकि गरीब और जरूरतमंद लोगों की थाली में ज़हर न पहुंचे।

'गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2025' से सम्मानित होंगे एडवोकेट सुनील मेघवाल झारिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। आदर्श समाज समिति इंडिया (रजि.), राष्ट्रीय साहित्यिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थान, सूरजगढ़, जिला झुंझुनूं (राजस्थान) द्वारा जारी चयन सूची में इस वर्ष की चयन सूची में 'गाँधी सेवा रत्न अवार्ड-2025' चूरू पंचायत समिति सदस्य व अधिवक्ता सुनील मेघवाल झारिया को प्रदान करने की घोषणा की गई है। यह सम्मान आगामी 1 सितंबर 2025 को बजरंग लाल गांधी स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले राष्ट्रीय प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर देशभर से साहित्य, शिक्षा, समाजसेवा और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष धर्मपाल गांधी नें बताया की एडवोकेट सुनील को यह सम्मान उनके द्वारा किये जा रहे सामाजिक सरोकारों के कार्य के प्रति समर्पण के लिए प्रदान किया जा रहा है तथा एडवोकेट सुनील मेघवाल काफी वर्षो से सामाजिक कार्यों मे अग्रणी रहते है तथा एक जागरूक जनप्रतिनिधि भी है। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से गणमान्य साहित्यकार, शिक्षाविद, कलाकारों की भागीदारी रहेगी। आयोजन स्थल पर विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विचार गोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा। एडवोकेट सुनील मेघवाल के सम्मान की घोषणा के बाद सामाजिक क्षेत्र व गांव में हर्ष और गर्व की लहर है ।

तिरंगा हमारे मान - सम्मान, शौर्य, उन्नति, प्रगति व खुशहाली का प्रतीक- राठौड़

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत जिला मुख्यालय पर आयोजित हुआ जिला स्तरीय तिरंगा मेला व पुरस्कार वितरण समारोह, पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी रहे मौजूद, विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेताओं का किया सम्मान चूरू जिला प्रशासन तथा चूरू नगरपरिषद के संयुक्त तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत जिला मुख्यालय स्थित मातुश्री कमला गोयनका टाउन हॉल में जिला स्तरीय तिरंगा मेला व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा, जिला उप प्रमुख महेंद्र न्यौल, एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर सहित अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमारे मान- सम्मान, शौर्य, उन्नति, प्रगति और खुशहाली का प्रतीक है। इसी तिरंगे की प्रेरणा से हमने महात्मा गांधी की अगुवाई में स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई लड़ी और भारत को आजादी दिलाई। आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारत के पास खुद का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। उन्होंने कहा कि हम हमारे संविधान के मौलिक कर्तव्यों में भी तिरंगे के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लेते हैं। इस तिरंगे ने भारत के शौर्य और सम्मान को सम्पूर्ण विश्व में बढ़ाया है।

पंचायतीराज जिला उपाध्यक्ष बने मारवाड़ के पठान

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजीव गांधी पंचायतीराज संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सी.बी.यादव के निर्देशानुसार संभाग प्रभारी बलदेवराम बेनीवाल की अनुशंषा पर पाली जिला अध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल ने राजीव गांधी पंचायतीराज पाली जिला के उपाध्यक्ष पद पर मो. खान पठान मारवाड़ जंक्शन को नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष जागरवाल ने बताया कि मो. खान पठान सन् 2015 में आर आई के पद से सेवानिवृत होने के बाद कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता है अभी भारतीय किसान यूनियन में जिला संगठन पद पर रहते हुए किसानों की हक की आवाज बनते रहे ये एक निष्ठावान, कर्मठ, अनुभवी कांग्रेस कार्यकर्ता है। पूरे जीवन में सरकारी पद पर रहते कॉंग्रेस में सिपाही की तरह कार्य करते आ रहे है। इनकी विधानसभा,लोकसभा, पंचायतीराज के चुनाव में हमेशा अग्रणी भूमिका रही है। मो. खान पठान को मारवाड़ के साथ सोजत ब्लॉक में पंचायतीराज संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य सौंपा गया। मो. खान पठान मारवाड़ जंक्शन के जिला उपाध्यक्ष बनने पर मारवाड़ व सोजत ब्लॉक अध्यक्ष बंशीधर वैष्णव सोजत समन्वयक राजेंद्र लहर जिला उपाध्यक्ष शंकरलाल बामणिया उपाध्यक्ष, पेमाराम चौधरी राजीव गांधी पंचायती राज प्रदेश सचिव पोपट भाई पटेल मारवाड़ समन्वयक प्रहलाद कण्डारा, दीपक शर्मा मारवाड़,किसान नेता नौरतन प्रकाश सीरवी देवली मारवाड़ ब्लॉक अध्यक्ष मोहन लाल दादलिया,घीसाराम सीरवी बाड़सा, ताराराम सिरवी सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पंचायतीराज पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सी.बी यादव,पाली जिला प्रभारी श्रीमती कीर्ति कच्छवाह, जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल का आभार प्रकट किया।

राजस्थान हज 2026 के लिए हज पर जाने वाले सभी यात्रियों का चयन हुआ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान हज कमेटी द्वारा को ऑर्डिनेटर शिक्षाविद हाजी यूसुफ खान चौहान और हाजी फखरुद्दीन छिपा ने बताया की राजस्थान हज 2026 अपडेट राजस्थान से हज 2026 के लिए जितने भी आवेदन प्राप्त हुए थे, सभी का चयन हो चुका है। सभी चुने गए हाजियों को हमारी तरफ से बहुत-बहुत मुबारकबाद एवं हज पर जाने वाले प्रति हाजी जमा करने योग्य राशि: ₹1,52,300/- अंतिम तिथि: 20 अगस्त 2025 है। ओर महत्वपूर्ण सूचना: पेमेंट स्लिप, आवेदन पत्र व आवश्यक दस्तावेज 20 अगस्त 2025 तक हज हाउस कर्बला, जयपुर में बाय पोस्ट या बाय हैंड जमा करवा सकते है।

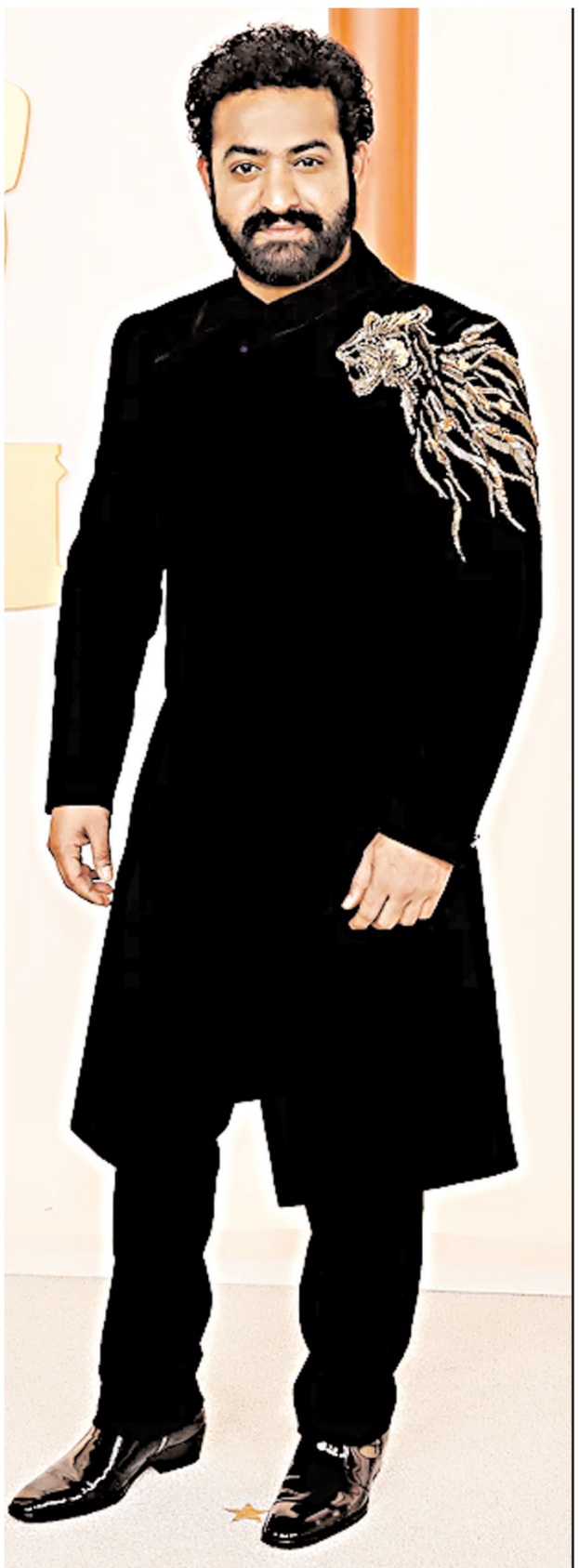

‘वॉर-2’ के इवेंट में फैंस का प्यार देख भावुक हुए जूनियर एनटीआर

जूनियर एनटीआर फेमस एक्टर हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग काफी तगड़ी है। 14 अगस्त को उनकी फिल्म वॉर 2 रिलीज होने जा रही है। अपनी करिश्माई पर्सनैलिटी और बेमिसाल ऑन-स्क्रीन चार्म के लिए मशहूर एक्टर को हाल ही में हैदराबाद में एक इवेंट में देखा गया। यहां वह अपनी फिल्म वॉर-2 को प्रमोट करने पहुंचे थे। उनके होम सिटी में हुए इस इवेंट ने फैंस को दीवाना बना दिया। वाईआरएफ ने फैंस के बीच एनटीआर के जबरदस्त क्रेज को देखते हुए हैदराबाद को लोकेशन के तौर पर चुना। इस इवेंट में जूनियर एनटीआर अपने प्रति जबरदस्त प्यार देख भावुक हो गए। उन्होंने यहां पर क्लोजिंग स्पीच दी और कहा, मेरे करियर की शुरुआत 25 साल पहले निन्नू चूडालानी फिल्म से हुई थी, जिसे दिवंगत रामोजी राव के बैनर तले लॉन्च किया गया था। उस दिन मैं अकेला था, सिर्फ मेरे माता-पिता साथ थे। मैंने अपने पहले फैन, अदोनी के मुजीब से पूछा, ‘तुम कौन हो?’ उन्होंने कहा, ‘मैं आपका फैन हूं सर, आपके लिए जान भी दे सकता हूं।’ तब तक मेरी कोई फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी। उस दिन से आज तक, लाखों फैंस को इस सफर में मेरे साथ देखना, पिछले जन्मों का आशीर्वाद है।

14 अगस्त को उनकी मोस्ट अवेटेड फिल्म वॉर 2 रिलीज होने वाली है। इसमें जूनियर एनटीआर, ऋतिक रोशन के अपोजिट होंगे। इसे अयान मुखर्जी ने डायरेक्ट किया है। इसमें कियारा आडवाणी भी अहम रोल में हैं। इसके बाद जूनियर एनटीआर कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। इनमें एनटीआर नील नाम की एक दमदार एक्शन फिल्म भी है, जिसे केजीएफ फेम प्रशांत नील डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म 25 जून 2026 को रिलीज होगी और इसे मायथ्री मूवी मेकर्स और एनटीआर आर्ट्स बना रहे हैं। इसके अलावा, वह त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक भव्य पौराणिक फिल्म भी कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान कुमारस्वामी का दिव्य किरदार निभाएंगे।

टाइगर श्रॉफ की बागी 4 का टीजर जारी, फुल एक्शन मोड में दिखे अभिनेता

टाइगर श्रॉफ के फैंस को उनकी आगामी फिल्म बागी 4 का लंबे समय से इंतजार था। आखिरकार आज 11 अगस्त को मेकर्स ने इस फिल्म का टीजर जारी कर दिया। टीजर में टाइगर बेहद ही आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं और अपने दुश्मनों पर किसी भी प्रकार की दया ना दिखाते हुए उनपर जोरदार हमला कर रहे हैं। बागी 4 के निर्माताओं ने फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया है, जो 1 मिनट 49 सेकेंड का है। इस टीजर की शुरुआत टाइगर श्रॉफ के एक डायलॉग से होती है कि जरूरत और जरूरी में फर्क होता है। इसके बाद टीजर में अभिनेता को बहुत ही गुस्से में हथियारों से दुश्मनों पर आक्रामक हमला करते देखा जाता है, जो काफी भयानक और रोंगटे खड़े कर देने वाला है। टीजर देखने के बाद नेटिजंस के मन में फिल्म को लेकर बेसब्री और बढ़ गई है। टीजर में संजय दत्त खलनायक की भूमिका में खतरनाक अंदाज में दिख रहे हैं और टाइगर श्रॉफ से उनकी जबरदस्त भिड़त हो रही है। इसके अलावा सोनम बाजवा के स्क्रीन प्रेजेंस ने ग्लैमर और एक्शन का शानदार तड़का लगाया है, जो दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। इतना ही नहीं टीजर में हरनाज संधू भी एक्शन मोड में जबरदस्त अंदाज में दिख रही है।

बाघी 4 का टीज़र वायरल

मिस यूनिवर्स हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर बॉलीवुड डेब्यू

बॉलीवुड के एक्शन सीन में एक नया तूफ़ान आ गया है, और वो हैं मिस यूनिवर्स 2021 हरनाज़ संधू। बहु-प्रतीक्षित फ़िल्म बाघी 4 का टीज़र रिलीज़ होते ही वायरल हो गया है, जिसमें हरनाज़ संधू का एक्शन से भरपूर अवतार देखकर दर्शक हैरान हैं। अपनी खूबसूरती और ग्लैमर के लिए मशहूर हरनाज़ ने इस टीज़र में अपनी इमेज को पूरी तरह बदल दिया है। रोमांटिक एंट्री की बजाय, वह स्क्रीन पर सीधे हाई-ऑक्टेन एक्शन सीन करते हुए दिखाई देती हैं। हड्डियां हिला देने वाले हैंड-टू-हैंड कॉम्बैट से लेकर हथियारों के साथ निंजा-स्टाइल एक्शन तक, उन्होंने यह साबित कर दिया है कि वह इस फ़िल्म की कहानी का एक अहम हिस्सा हैं। टीज़र में टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी दमदार केमिस्ट्री और संजय दत्त के विलेन अवतार के बीच हरनाज़ की मौजूदगी देखने लायक है। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और ए. हर्षा द्वारा निर्देशित यह मेगा-एक्शन फ़िल्म 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। यह टीज़र देखने के बाद यह साफ है कि हरनाज़ संधू का यह नया एक्शन मोड आने वाले समय में खूब सुर्खियाँ बटोरने वाला है।

रोहित शेट्टी के सामने हाथ जोड़कर मांगा काम, तो मंदिरों में जाने पर हुईं ट्रोल

केदारनाथ, लव आजकल 2, सिंबा, स्काईफोर्स समेत कई चर्चित फिल्मों में अपनी एक्टिंग का जौहर दिखाने वाली सारा अली खान का 12 अगस्त को जन्मदिन है। अभिनेत्री अमृता सिंह और अभिनेता सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान अपने एक्टिंग स्किल की वजह से इंडस्ट्री में खास जगह बनाने में सफल रही हैं। उनकी सादगी, मेहनत और बेबाक अंदाज ने उन्हें फैंस का चहेता बना दिया। सारा का करीना कपूर के साथ भी खूबसूरत रिश्ता है, जो अक्सर सुर्खियों में रहता है। कोलंबिया विश्वविद्यालय से इतिहास और राजनीति विज्ञान में ग्रेजुएट होने के बाद सारा ने साल 2018 में व्यावसायिक रूप से सफल फिल्मों रोमांटिक-ड्रामा केदारनाथ और एक्शन कॉमेडी सिम्बा के साथ अभिनय करियर की शुरुआत की। सारा ने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद सिम्बा, अतरंगी रे, जरा हटके जरा बचके, गैसलाइट, स्काई फोर्स के साथ ही हालिया रिलीज मेट्रो...इन दिनों जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी एक्टिंग की छाप छोड़ी। मेट्रो...इन दिनो में सारा ने एक साधारण, जिंदगी की उलझनों से जूझती लड़की का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। एक इंटरव्यू में सारा ने बताया कि इस किरदार के लिए उन्होंने ग्लैमर से परे एक वास्तविक और सादगी भरा लुक अपनाया, जो निर्देशक अनुराग बसु की सोच थी। सैफ अली खान की लाडली सारा का आम जीवन में भी बेहद सरल हैं। इस बात का जिक्र कपिल शर्मा के शो में रोहित शेट्टी ने खुद किया था। उन्होंने बताया था कि सारा उनके ऑफिस आईं और हाथ जोड़कर सिम्बा में काम मांगा था। रोहित ने उनकी सादगी की तारीफ करते हुए कहा, सारा बहुत मेहनती और जमीन से जुड़ी हैं। रोहित शेट्टी ने बताया, सिम्बा में काम मांगने के लिए आई सारा ने उनके सामने हाथ जोड़ा था।

अम्मी विर्क जुड़ेंगे राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फ्रेंचाइज़ी गड्डे गड्डे चा 2 में

एक्टर-सिंगर अम्मी विर्क अब गड्डे गड्डे चा 2 की स्टारकास्ट का हिस्सा बन गए हैं। यह फिल्म लोकप्रिय पंजाबी ब्लॉकबस्टर गड्डे गड्डे चा 2 का सीक्वल है, जिसे 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ पंजाबी फीचर फिल्म का सम्मान मिला था। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित और जगदीप सिद्धू द्वारा लिखित, पहली फिल्म ने न केवल वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाई, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भी बड़ी संख्या में दर्शक जोड़े। इसकी दिल छू लेने वाली कहानी, जोरदार हास्य और प्रगतिशील सोच ने इसे हर परिवार की पसंदीदा फिल्म बना दिया। अब इस सीक्वल में पुराने रिवाजों को फिर से हास्य और संवेदना के साथ चुनौती दी जाएगी, और इस बार अम्मी विर्क भी जुड़ेंगे, जिनकी करिश्माई मौजूदगी और हास्य अंदाज़ फिल्म को और ऊँचाइयों पर ले जाएगा। अम्मी विर्क ने कहा, मैं हमेशा ऐसी फिल्मों की सराहना करता हूँ, जो मनोरंजन के साथ एक मजबूत संदेश देती हैं, और गड्डे गड्डे चा 2 ने वही किया। मैं पूरी टीम को राष्ट्रीय पुरस्कार और दुनियाभर से मिले प्यार के लिए बधाई देता हूँ। इस खूबसूरत सफर के दूसरे अध्याय का हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूँ। इस दीवाली, जहाँ होंगे दीप और पटाखे, वहीं होंगी ढेर सारी हँसी भी गड्डे गड्डे चा 2 जी स्टूडियोज़ और वीएच एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है और दिवाली 2025 में रिलीज़ होगी।

सलमान खान शुरू करना चाहते हैं लुका-छिपी और ‘चोर-पुलिस’ जैसी लीग

वर्ल्ड पैडल लीग के तीसरे सीजन के शुभारंभ में सुपरस्टार सलमान खान ने शिरकत की, जहां उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया कि वह लुका-छिपी और चोर पुलिस जैसे क्लासिक बचपन के खेलों के लिए अपनी खुद की लीग बनाना चाहते हैं .सलमान ने कहा, मैं कंचे, गिल्ली-डंडा, चेन कुक, लुका-छिपी और चोर-पुलिस जैसी लीग शुरू करना चाहूंगा। साथ ही, पढ़े-लिखे लोगों के लिए ‘डॉक्टर-डॉक्टर’ लीग भी खोलना चाहता हूं। उनकी इस मजेदार टिप्पणी ने सभी का ध्यान खींचा। उनके भाई सोहेल खान वर्ल्ड पैडल लीग में एक टीम के मालिक हैं। सलमान जल्द ही विवादास्पद रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ के 19वें सीजन में बतौर होस्ट वापसी करने वाले हैं। शो का भव्य प्रीमियर 24 अगस्त को होने की उम्मीद है। सलमान ने कहा, मैं लंबे समय से ‘बिग बॉस’ का हिस्सा हूं। इस बार यह शो ‘घरवालों की सरकार’ थीम के साथ आएगा। जब कई लोग एक साथ नियंत्रण करने की कोशिश करते हैं, तो चीजें उलझ जाती हैं और घर युद्ध का मैदान बन जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान खान एआर. मुरुगादॉस की एक्शन-ड्रामा फिल्म ‘सिकंदर’ में नजर आए थे, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी, सत्यराज, जतिन सर्ना, संजय कपूर और प्रतीक बब्बर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

बिश्नोई गैंग से धमकी के बाद लिया गया फैसला

मुंबई पुलिस ने पुख्ता की कपिल शर्मा की सुरक्षा

बीते गुरुवार कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले ‘कैप्स कैफे’ में फिर से फायरिंग की गई। घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली। साथ ही कपिल को धमकी भी दी है। कॉमेडियन को मिल रही धमकी के बाद मुंबई पुलिस ने उनकी सुरक्षा बढ़ाई है। लोकप्रिय कॉमेडियन और एक्टर कपिल शर्मा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कथित तौर पर मिली जान से मारने की धमकी के बाद उनकी सुरक्षा में इजाफा किया गया है। मुंबई पुलिस ने कपिल की सिक्योरिटी बढ़ाई है। बता दें कि कॉमेडियन के कैफे पर दो बार हमला हो चुका है, फायरिंग की गई है। बीते गुरुवार को भी दूसरी बार कपिल के कैफे पर फायरिंग हुई।

धमकियों के बाद बढ़ाई गई सुरक्षा

कपिल शर्मा को लगातार मिल रहीं धमकियों के मद्देनजर कॉमेडियन कपिल शर्मा की सुरक्षा पर फैसला लिया गया है और मुंबई पुलिस ने कॉमेडियन की सिक्योरिटी में इजाफा किया है। बता दें कि कपिल शर्मा इन दिनों अपने कॉमेडी शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो को लेकर चर्चा में हैं, जो नेटफ्लिक्स पर हर शनिवार को स्ट्रीम होता है।

कपिल को मिली धमकी से सलमान खान का कनेक्शन

बता दें कि बिश्नोई गैंग की तरफ से अभिनेता सलमान खान को कथित तौर पर कई बार जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। सलमान खान ‘द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो’ के पहले एपिसोड में नजर आए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक सदस्य ने ऑडियो जारी करके धमकी दी कि जो सलमान खान के साथ काम करेगा, उसे वह मार देंगे।

दो बार हो चुका कैफे पर हमला

पिछले महीने यानी जुलाई की 10 तारीख कपिल शर्मा के कैप्स कैफे पर फायरिंग की गई थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर फायरिंग करने वालों ने पोस्ट किया था। 10 से 12 राउंड फायर कैफे पर किए। पिछली बार हुई फायरिंग की जिम्मेदारी खालिस्तानी आतंकी हरजीत सिंह लड्डी ने ली थी। हरजीत सिंह लड्डी एनआईए की मोस्ट वांटेड आतंकवादी की लिस्ट में शामिल है और बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़ा है। अब नए हमले की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। कपिल के कनाडा स्थित कैप्स कैफे पर दूसरी बार फायरिंग की जिम्मेदारी गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने ली, जो खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताता है।

कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान किसी ने नहीं दिया काम

अब मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं

हिना खान टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस हैं। साथ ही फिल्मों में भी लीड रोल कर चुकी हैं। पिछले साल उन्हें ब्रेस्ट कैंसर का पता चला। इसी बीमार से वह डटकर लड़ी और इलाज के बाद ठीक हो गईं। कैंसर ट्रीटमेंट के दौरान भी हिना खान एक्टिव रहीं लेकिन किसी सीरियल या फल्म में नजर नहीं आईं। जबकि वह तो काम करना चाहती थी।

अब हिना खान ने बताया कि किसी ने उन्हें पिछले एक साल में कोई काम ऑफर नहीं किया है। एक इंटरव्यू में हिना खान कहती हैं, ‘बीमारी का पता लगने, इलाज हो जाने के बाद ‘पति पत्नी और पंगा’ मेरा पहला प्रोजेक्ट है। मैं काम करना चाहती हूं। किसी ने मुझसे सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि तुम अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई हो। लेकिन मुझे लगता है कि शायद लोग काम देने से हिचकिचा रहे हैं। हो सकता है शो बनाने वाले ऐसा

करें, मैं उनकी स्थिति भी समझती हूं। अगर मैं उनकी जगह होती, तो हजार बार सोचती।’ हिना खान आगे कहती हैं, ‘लेकिन मैं ऑडिशन के लिए तैयार हूं, मैं कहां रुकी थी? पिछले एक साल से मुझे किसी ने नहीं बुलाया। मैं हर चीज के लिए तैयार हूं, मुझे कॉल करें।’ हाल ही में हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ शो ‘पति पत्नी और पंगा’ का हिस्सा बनी हैं। हिना और रॉकी के अलावा ‘पति पत्नी और पंगा’ में कई टीवी सेलिब्रिटी कपल भी शामिल हुए हैं। इस लिस्ट में देबिन्ना बोनर्जी और गुरमीत चौधरी, रूबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला, अविका गौर और मिलिंद चंदवानी, स्वरा भास्कर और फहद अहमद, गीता फोगट और पवन कुमार, सुदेश लहरी और ममता लहरी शामिल हैं।

साभार एजेंसी

सिनसिनाटी ओपनः

आर्यना संबालेका ने जीता महिला सिंगल्स खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने 3 घंटे 9 मिनट तक चले सिनसिनाटी ओपन के संघर्षपूर्ण फाइनल में ब्रिटेन की एम्मा रादुकानु को हराकर खिताब जीता। रादुकानु एक बार फिर से सबालेंका के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को तोड़ने में नाकामयाब रहीं। पहले सेट में रादुकानु ने शानदार खेल दिखाया और पहले नौ अंक जीतकर जोरदार शुरुआत की। लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, उनकी पकड़ कमजोर होती गयी। उनकी सर्विस कमजोर पड़ने लगी। वहीं, सबालेंका ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की और टाई-ब्रेक में पहला सेट 7-6 (3) से जीता। दूसरे सेट में एम्मा रादुकानु ने जोरदार वापसी की। उन्होंने सबालेंका को छकाते हुए सेट 4-6 से अपने नाम किया। तीसरा सेट बेहद अहम और निर्णायक था। दोनों की तरफ से उनका सर्वश्रेष्ठ खेल देखने को मिला। रादुकानु ने ताकतवर फोरहैंड और बैकहैंड का इस्तेमाल किया और सबालेंका के आक्रमण को रोकने में भी सफलता पाई। वहीं नंबर वन खिलाड़ी सबालेंका ने भी अपनी क्लास से रादुकानु पर अपनी पकड़ बनाए रखी और सेट टाई ब्रेकर में 7-6 (5) से जीतकर खिताब अपने नाम किया। जीत के बाद सबालेंका ने कहा, मैं इस मुश्किल मैच को जीतकर खुश हूं। रादुकानू पर तीसरे सेट में जीत हासिल करने के लिए मुझे जोखिम भरे शॉट खेलने पड़े। मुझे उसके खिलाफ लड़ने में मज़ा आ रहा है। वह एक अद्भुत खिलाड़ी है, एक बहुत अच्छी इंसान है, और मैं उसके लिए बहुत खुश हूं। मैं उसे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ देखकर खुश हूं। वह खेल में लगातार सुधार कर रही है। एम्मा रादुकानु बेशक यह मैच नहीं जीत सकी, लेकिन उन्होंने अपने खेल से प्रभावित किया। फाइनल हारने के बाद रादुकानु ने कहा, वह किसी खास वजह से नंबर 1 हैं। मैंने विंबलडन की तुलना में उन पर ज्यादा दबाव डाला। यह मेरे लिए संतोषजनक था। मैं हमेशा से सोचती थी कि घास मेरे लिए ज्यादा उपयुक्त है। अब भी यही मानती हूं। इसलिए हार्ड कोर्ट पर उन पर दबाव डालने पर मुझे बहुत गर्व है।

रोहित-विराट के टेस्ट क्रिकेट छोड़ने पर पूर्व क्रिकेटर का बड़ा बयान

उन्होंने गलत प्रारूप से संन्यास लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के जल्द ही वनडे से संन्यास लेने की मीडिया रिपोर्टों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि भारतीय दिग्गजों ने गलत प्रारूप से संन्यास लिया और वर्तमान समय में वनडे क्रिकेट के अभाव के कारण उन्हें टेस्ट क्रिकेट की बजाय 50 ओवर के प्रारूप को छोड़ना चाहिए था। कप्तान शुभमन गिल द्वारा भारत को 2-2 से शानदार ड्रॉ दिलाने के कुछ दिनों बाद ऐसी खबरें आने लगीं कि रोहित और विराट वनडे भी छोड़ सकते हैं। दोनों ही 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में होने वाले आईसीसी क्रिकेट विश्व कप की योजना में नहीं हैं, जब तक कि दोनों अपनी मैच फिटनेस और फॉर्म साबित करने के लिए घरेलू

50 ओवर का क्रिकेट नहीं खेलते। दोनों क्रिकेटरों ने मई में भारत के इंग्लैंड दौरे से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए चोपड़ा ने कहा, सच्चाई यह है कि उन्होंने गलत फॉर्मेट को अलविदा कह दिया है। उन्होंने टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 छोड़ दिया था, लेकिन अगर वे टेस्ट खेलना जारी रखते और वनडे को अलविदा कह देते तो कहानी कुछ और होती। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले 12 महीनों में भारत ने सिर्फ 6 वनडे खेले थे।

उन्होंने आगे कहा, हो सकता है कि आप साल में सिर्फ छह टेस्ट खेलें, लेकिन अगर ये सिर्फ छह टेस्ट भी हैं, तो ये 30 दिन का क्रिकेट है। अगर सिर्फ छह वनडे खेले जाते हैं, तो ये एक समयावधि में सिर्फ छह दिन का क्रिकेट होगा। आपके आखिरी IPL मैच से लेकर अगले वनडे मैच तक 100 दिन से ज्यादा का समय लगेगा। आप बिल्कुल नहीं खेल रहे हैं। आप बिल्कुल भी अभ्यास नहीं कर रहे हैं।

चोपड़ा ने यह भी बताया कि इन दिनों वनडे सीरीज के बीच का अंतराल भी बेहद बड़ा है और सिर्फ कुछ वनडे मैचों से फॉर्म, फिटनेस, डाइट के प्रति प्रतिबद्धता आदि को बनाए रखना मुश्किल होगा। मौजूदा कमेंटेटर ने कहा, तीन मैचों की एक सीरीज सात से आठ दिनों में खत्म हो जाती है। फिर अगली सीरीज तीन महीने बाद होगी। अंतराल बहुत बड़ा है और आप बीच में प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलेंगे।

0 पर आउट हो गए 10 बल्लेबाज, इस टीम ने सिर्फ 2 गेंदों में जीता टी-20 मैच

2 गेंदों में जीता टी-20 मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 मैच तो आपने बहुत देखे होंगे. इस फॉर्मेट में कई बड़े रिकॉर्डों को टूटते और बनते देखा होगा. टीमों को छोटे स्कोर पर ढहते होगा. लेकिन, यकीन मानिए हम जिसके बारे में बताने जा रहे हैं, वैसा ना तो पहले कभी देखा और ना ही सुना होगा. ये अपने आप में हुई एक अनोखी घटना है. और, ये मेंस क्रिकेट में नहीं बल्कि महिला टी20 मैच के दौरान हुआ है, जहा एक टीम के 10 बल्लेबाजों का तो खाता भी नहीं खुला, मतलब वो जीरो पर आउट हो गए. टारगेट इतना छोटा रहा कि विरोधी टीम ने मुकाबला सिर्फ 2 गेंदों में ही जीत लिया. अब सवाल है कि ये मैच खेला कहां गया?

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन प्रदेश की सीनियर महिला टीम के संभावितों के सेलेक्शन के लिए जयपुर और उदयपुर जिला केंद्र पर राज्य स्तरीय सीनियर महिला टी20 टूर्नामेंट करा रहा है. ये मुकाबला उसी टूर्नामेंट में सीकर और सिरोही जिले की टीमों के बीच खेला गया. क्रिकेट को अनिश्चिताओं का खेल कहते हैं और जयपुर में हुए मुकाबले में ऐसी ही एक अनिश्चितता ने सिरोही की टीम को घेर लिया. किसी ने नहीं सोचा था कि सिरोही की टीम का हाल इतना बुरा होगा.

10 बल्लेबाजों ने बनाए जीरो, 2 गेंदों में टारगेट हुआ चेज

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करने उतरी सिरोही की टीम की बल्लेबाजी की हालत 'तू चल, मैं आया' वाली रही. एक के बाद एक ताश के पत्तों की तरह विकेट ढह रहे थे. इस बीच स्कोर बोर्ड पर रन लगने की बात ना ही करें तो बेहतर. क्योंकि, वो तो 9वें नंबर के बल्लेबाज के क्रीज पर आने के बाद ही संभव हो सका. उसने ही 2 रन जोड़े और बाकी के 2 रन एक्स्ट्रा से आ गए. बाकी के 10 बल्लेबाजों के नाम के आगे तो बस जीरो ही लिखे रहे. कुल मिलाकर सिरोही की टीम सिर्फ 4 रन बनाकर ऑल आउट हो गई. जवाब में 5 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीकर की टीम के लिए इस काम से तो आसान कुछ हो ही नहीं सकता था. उन्होंने बस 2 गेंदें खेलकर अपना टारगेट हासिल कर लिया. और, इस तरह सिरोही की टीम को महिला टी20मैच में सीकर के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

जापानी बॉक्सिंग में काला सप्ताह, दो दिन में 2 मुक्केबाजों की मौत, JBC ने 12 राउंड मुकाबलों पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। जापानी बॉक्सिंग की दुनिया इन दिनों गहरे सदमे में है। महज कुछ दिनों के भीतर, एक ही इवेंट में हिस्सा लेने वाले दो पेशेवर मुक्केबाजों की मौत ने खेल जगत को हिला दिया है। 28 साल के शिगेतोशी कोतारी और हिरोमासा उराकावा ने 2 अगस्त को टोक्यो के कोराकुएन हॉल में अलग-अलग मुकाबलों में हिस्सा लिया। मुकाबले के दौरान दोनों को ही गंभीर चोटें लगीं, जिसके चलते उन्हें जान गंवानी पड़ी। शिगेतोशी कोतारी की यामातो हाटा के साथ मुकाबले के दौरान लगी चोटों के कारण पिछले शुक्रवार (8 अगस्त 2025) को मृत्यु हो गई। शिगेतोशी कोतारी की मौत के अगले दिन हिरोमासा उराकावा की शनिवार (9 अगस्त 2025) को मृत्यु हो गई। फेदरवेट वर्ग के 8वें राउंड में हिरोमासा उराकावा और योगी सैतो के बीच नॉकआउट मुकाबला हुआ था।

मुकाबले में हिरोमासा हार गए और उन्हें गंभीर चोटें आईं। बाद में 9 अगस्त को उनकी मृत्यु हो गई। कोतारी और उराकावा दोनों की सबड्यूरल हेमेटोमा के लिए सर्जरी हुई थी। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें किसी चोट के कारण खोपड़ी और मस्तिष्क के बीच खून जम जाता है। लगातार हो रही मौतों ने जापान बॉक्सिंग कमीशन को झकझोर दिया है।

100 करोड़ की मानहानि का मामला: धोनी को बड़ी सफलता, हाईकोर्ट ने सुनवाई का आदेश दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी द्वारा दो प्रमुख मीडिया चैनलों और एक पत्रकार के खिलाफ 2013 के आईपीएल सट्टेबाजी कांड में उनका नाम घसीटने के आरोप में दायर 100 करोड़ रुपए के मानहानि के मामले में सुनवाई का आदेश दिया है। एमएस धोनी इस मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। न्यायमूर्ति सीवी कार्तिकेयन ने एक एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त किया है जो धोनी की ओर से सबूत दर्ज करेगा। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान इस पूछताछ के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होंगे क्योंकि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उनकी उपस्थिति से अव्यवस्था पैदा हो सकती है।

धोनी ने 2014 में प्रतिवादियों से 100 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग करते हुए यह मामला दायर किया था। 44 वर्षीय धोनी का आरोप है कि आईपीएल सट्टेबाजी कांड पर

एक टेलीविजन बहस के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की गईं। एक रिपोर्ट के अनुसार वरिष्ठ वकील पीआर रमन ने धोनी की ओर से एक हलफनामा पेश किया जिसमें मुकदमे की शुरुआत की मांग की गई थी।

यह मुकदमा एक दशक से लंबित है, क्योंकि संबंधित पक्ष वर्षों से राहत की मांग कर रहे हैं। हलफनामे में लिखा है, उपरोक्त अनुरोध किसी भी अनुचित देरी (एक दशक से अधिक समय से उच्च न्यायालय में लंबित मुकदमे के निपटारे में) से बचने और मुकदमे के निष्पक्ष, न्यायसंगत और शीघ्र निर्णय का समर्थन करने के इरादे से किया गया है। मैं घोषणा करता/करती हूं कि मैं एडवोकेट कमिश्नर के साथ अपना पूरा सहयोग करूंगा/करूंगी और मुकदमे तथा साक्ष्य दर्ज करने के संबंध में इस माननीय न्यायालय द्वारा जारी सभी निर्देशों का पालन करूंगा/करूंगी।

चेसः गुकेश ने ओपेरिन-लिएम को हराया, सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज के पहले दिन के बाद संयुक्त तीसरे स्थान पर

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। गुकेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले दौर के एक कड़े मुकाबले में अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की। मौजूदा विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने अमेरिका के लेवोन अरोनियन से पहले दौर में मिली हार के बाद वापसी करते हुए ग्रिगोरी ओपेरिन और लिएम ले क्वांग पर जीत दर्ज की और ग्रैंड शतरंज टूर के तहत खेले जा रहे सेंट लुई रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के पहले दिन संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

गुकेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्हें पहले दौर के एक कड़े मुकाबले में अरोनियन से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी की और सोमवार को खेली गई अन्य बाजियों में ओपेरिन और लिएम को हराकर संभावित छह में से चार अंक हासिल किए।लास वेगास में हाल ही में संपन्न फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट में जीत दर्ज करने वाले अमेरिकी ग्रैंडमास्टर अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर अपना परफेक्ट स्कोर बनाए रखा। अरोनियन छह अंकों के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि उनके हमवतन फैबियानो कारुआना दो जीत और एक ड्रॉ के बाद पांच अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गुकेश एक अन्य अमेरिकी वेस्ली सो के साथ संयुक्त रूप से तीसरे, जबकि वाचियर-लाग्रेव और लीनियर डोमिन्गुएज पेरेज तीन-तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

लिएम और ओपेरिन दो-दो अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। नोडिरबेक के खाते में एक अंक है, जबकि सैम शैंकलैंड अपने सभी मैच हारने के बाद अंतिम स्थान पर हैं। गुकेश को पहले दौर में कैरो कान के डिफेंस गेम के कारण पैदा हुई जटिलताओं के कारण हार का सामना करना पड़ा।

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे दौर में सफेद मोहरों से खेलते हुए ओपेरिन को शह और मात देने के लिए अपनी रानी की बलि दे दी और आसानी से जीत हासिल की। दिन के आखिरी मुकाबले में लिएम के खिलाफ काले मोहरों से खेल रहे गुकेश को फिर से मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दबाव बनाए रखा और आखिर में वह जीत हासिल करने में सफल रहे।

Doping:

एथलीट गगनदीप को डोपिंग मामले में मिली तीन साल की सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले गगनदीप ने 12 फरवरी को उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की चक्का फेंक में 55.01 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। राष्ट्रीय खेलों में चक्का फेंक के स्वर्ण पदक

विजेता गगनदीप सिंह सहित कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। इन खिलाड़ियों ने डोपिंग का आरोप लगने के 20 दिनों के अंदर अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके कारण उनकी सजा चार साल के बजाय तीन साल कर दी गई। सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले गगनदीप ने 12 फरवरी को उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की चक्का फेंक में 55.01 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।

इसके बाद वह डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाये गये। उनके नमूने में 'टेस्टोस्टेरोन मेटाबोलाइट्स' की पुष्टि होने के बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। इस 30 साल के खिलाड़ी की प्रतिबंध अवधि की शुरुआत 19 फरवरी 2025 से होगी। खिलाड़ी के पहले अपराध के लिए अधिकतम प्रतिबंध की अवधि चार साल है।

स्टेफी ग्राफः फैंस में ऐसी दीवानगी किसी और महिला टेनिस खिलाड़ी के लिए नहीं दिखी

नई दिल्ली, एजेंसी। टेनिस दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय और रोमांचक खेलों में से एक है। इस खेल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रियता दिलाने में जिन खिलाड़ियों की अहम भूमिका रही है, उनमें एक बड़ा नाम स्टेफी ग्राफ का है। चार साल की उम्र में टेनिस शुरू करने वाली ग्राफ ने सिर्फ 13 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय कोर्ट में कदम रख दिया था। 17 साल लंबे अपने करियर के दौरान वह दुनिया की सर्वाधिक प्रभावशाली खिलाड़ियों में रहीं और टेनिस के प्रशंसकों के दिलों में अपने जोरदार खेल की बदौलत अमिट छाप छोड़ी।

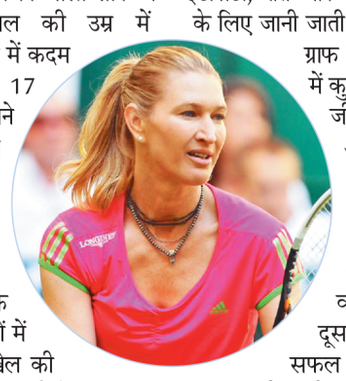

14 जून 1969 को जर्मनी के मैनहेम में जन्मीं स्टेफी ग्राफ का करियर 1982 से लेकर 1999 तक था। 1982 से 1990 तक वह वेस्ट जर्मनी और 1990 से 1999 तक जर्मनी की तरफ से खेलीं। 17 साल के करियर में 377 सप्ताह तक लगातार वह दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रहीं। आठ बार उन्होंने कैलेंडर ईयर की समाप्ति नंबर वन रैंक के साथ की। ग्राफ दुनिया की एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं जिन्होंने सभी चार मेजर ग्रैंड स्लैम (यूएस ओपन, ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन) कम से कम चार बार जीते हैं। ग्राफ कोर्ट पर अपनी इंटेंसिटी, गति और पावरफुल फोरहैंड के लिए जानी जाती थीं।

ग्राफ ने महिला एकल में कुल 22 ग्रैंड स्लैम जीते हैं। 13 अगस्त 1999 को जब उन्होंने टेनिस कोर्ट को अलविदा कहा था, उस समय वह इस खेल की दूसरी सर्वाधिक सफल खिलाड़ी थीं। उनसे आगे मार्गरेट कोर्ट थीं, जिनके नाम सर्वाधिक 24 ग्रैंड स्लैम पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड था। सेरेना विलियम्स ने 2017 में 23वां ग्रैंड स्लैम जीतकर ग्राफ को पीछे छोड़ दिया था। ग्राफ ने करियर में कुल 107 खिताब जीते। अमेरिका की एसोसिएट प्रेस ने ग्राफ को 20वीं सदी का महानतम खिलाड़ी घोषित किया था।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 8 साल के प्यार के बाद जॉर्जिना रोड्रिग्ज से की सगाई

● करोड़ों में है अंगूठी की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने आखिरकार लंबे समय (करीब 8 साल) से अपनी गर्लफ्रेंड जॉर्जिना रोड्रिग्ज से सगाई कर ली। जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की। तस्वीर में वह अपनी अंगुली में अंगूठी पहने हुए हैं। जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने तस्वीर के कैप्शन में लिखा, 'हां मैंने की। अभी और मेरे पूरे जीवन में भी।'

जॉर्जिना ने इंस्टाग्राम पर की सगाई की पुष्टि

जॉर्जिना रोड्रिग्ज ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर शेयर की है उसमें क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी दिख रहे हैं। जॉर्जिना ने रोनाल्डो को टैग भी किया है। रोनाल्डो ने खुद अब तक इंटरनेट पर कुछ भी पोस्ट नहीं किया है। चूंकि रोनाल्डो और जॉर्जिना लंबे समय से साथ हैं और अब अपने रिश्ते में एक नया कदम उठा रहे हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह जोड़ा कब शादी के बंधन में बंधता है।

विशेषज्ञ लगा रहे अंगूठी की कीमत का अनुमान

जैसे ही सगाई की अंगूठी की तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई, विभिन्न विशेषज्ञों ने इसकी कीमत का आकलन करना शुरू कर दिया। अंगूठी 5 सेंटीमीटर से ज्यादा लंबी लग रही थी, जिसमें बीच में एक प्रमुख अंडाकार हीरा और दो छोटे रत्न जड़े थे। आभूषण विशेषज्ञों ने अंगूठी की कीमत का अनुमान

लगाना शुरू कर दिया है।

ब्रियोनी रेमंड के अनुसार, मुख्य अंडाकार हीरा 25 से 30 कैरेट के बीच हो सकता है, जबकि अन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह कम से कम 15 कैरेट का होना चाहिए। जौहरी फ्रैंक डार्लिंग के संस्थापक केगन फिशर के अनुसार, दोनों तरफ के हीरे लगभग 1 कैरेट के लग रहे हैं।

16.8 से 42 करोड़ तक हो सकती है अंगूठी की कीमत

हीरे की गुणवत्ता और आकार से पता चलता है कि यह बिल्कुल प्रीमियम है और पेशेवर मूल्यांकन 2 से 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 16.8 करोड़ से 42 करोड़ रुपये) के बीच है। लॉरेल डायमंड्स की लॉरा टेलर का सुझाव है कि अंगूठी की न्यूनतम कीमत 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर होगी, जबकि रेयर कैरेट के सीईओ अजय आनंद ने अंगूठी की कीमत 5 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक आंकी है।

5 बच्चों के पिता हैं रोनाल्डो

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के जॉर्जिना रोड्रिग्ज से तीन बच्चे भी हैं। जॉर्जिना ने 12 नवंबर 2017 को बेटी अलाना मार्टिना को जन्म दिया। इसके बाद 18 अप्रैल 2022 को उन्होंने बेटी बेला एस्मेराल्डा और बेटे एंजेल को जन्म दिया, लेकिन दुर्भाग्य से जन्म के कुछ समय बाद ही एंजेल की मौत हो गई। क्रिस्टियानो रोनाल्डो 3 और बच्चों (क्रिस्टियानो जूनियर, माटओ और ईवा) के पिता हैं।

क्रिस्टियानो जूनियर की मां की पहचान हमेशा गुप्त रखी गई है, जबकि जुड़वां बच्चे माटेओ और ईवा सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे। जॉर्जिना ने काफी समय पहले एक पत्रिका दिए साक्षात्कार में बताया था कि सभी बच्चों को उन्होंने जन्म नहीं दिया, लेकिन वह उन्हें अपने बच्चे ही मानती हैं और वे बच्चे उन्हें मां कहते हैं।

कौन हैं जॉर्जिना रोड्रिग्ज?

जॉर्जिना एक सोशल मीडिया हस्ती, मॉडल और उद्यमी हैं। 31 साल की जॉर्जिना का जन्म अर्जेंटीना में हुआ और बाद में उनका पालन-पोषण स्पेन में हुआ। रोनाल्डो ने 2017 में उनके साथ अपने रिश्ते की पुष्टि की थी। दोनों पहली बार सार्वजनिक रूप से ज्यूरिख में फीफा फुटबॉल अवार्ड्स में साथ नजर आए थे। जॉर्जिना रोनाल्डो के साथ मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियल मैड्रिड और जुवेंटस के लिए खेलते हुए यात्रा करती थीं।

विपक्ष भी उतारेगा उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार: 18 अगस्त को INDIA ब्लॉक की बैठक

- 9 सितंबर को होगा चुनाव

नई दिल्ली। देश की राजनीति में इस समय उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। विपक्षी गठबंधन INDIA ने साफ संकेत दिए हैं कि वह भी इस बार अपने उम्मीदवार को मैदान में उतारेगा। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए 18 अगस्त को गठबंधन की अहम बैठक होने जा रही है, जिसकी अगुवाई कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे।

9 सितंबर को मतदान और परिणाम

चुनाव आयोग के अनुसार, उपराष्ट्रपति पद के लिए 9 सितंबर को वोटिंग होगी और इसी दिन मतगणना भी की जाएगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त तय की गई है, जबकि 25 अगस्त तक उम्मीदवार अपनी नामांकन वापसी कर सकेंगे। इस चुनाव में संसद के दोनों सदनों के सदस्य मतदान करते हैं, और मतदान का तरीका गोपनीय मतपत्र होता है।

धनखड़ के इस्तीफे से खाली हुआ पद

दरअसल, 21 जुलाई की रात को देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 वर्षीय धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य और व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया। उनके इस फैसले ने सभी राजनीतिक दलों को चौंका दिया और अब नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

विपक्ष की रणनीति

सूत्रों के मुताबिक, मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्षी गठबंधन के शीर्ष नेताओं से लगातार बातचीत कर रहे हैं। विपक्ष की कोशिश है कि ऐसा उम्मीदवार उतारा जाए, जो न सिर्फ गठबंधन के भीतर सभी को स्वीकार्य हो बल्कि व्यापक

जनाधार और राजनीतिक अनुभव भी रखता हो। इस पर भी चर्चा हो रही है कि उम्मीदवार किसी गैर-कांग्रेसी दल से हो, ताकि संदेश जाए कि यह चुनाव केवल कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं बल्कि पूरे विपक्ष बनाम भाजपा का है। INDIA ब्लॉक के नेताओं का मानना है कि भले ही उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत की संभावना कम हो (क्योंकि भाजपा और उसके सहयोगी दलों का संसद में बहुमत है), लेकिन एक सशक्त उम्मीदवार उतारकर वे विपक्ष की एकजुटता और वैचारिक लड़ाई का संदेश दे सकते हैं।

भाजपा की तैयारियां

इधर सत्ता पक्ष में भी गहन मंथन जारी है। भाजपा की ओर से सबसे मजबूत दावेदार के रूप में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत का नाम सामने आ रहा है। 76 वर्षीय गहलोत लंबे समय तक भाजपा के संगठन में सक्रिय रहे हैं और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर उनकी पकड़ मानी जाती है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का भरोसेमंद नेता माना जाता है। इसके अलावा सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का नाम भी चर्चा में है। ओम माथुर लंबे समय तक राजस्थान की राजनीति में सक्रिय रहे और संगठन में भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा चुके हैं। भाजपा की रणनीति यह हो सकती है कि वह ऐसा चेहरा चुने, जो न केवल अनुभवी हो बल्कि पार्टी की विचारधारा के प्रति पूरी तरह समर्पित भी हो।

क्यों अहम है उपराष्ट्रपति का पद

उपराष्ट्रपति देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होते हैं। वह राज्यसभा के सभापति भी होते हैं, यानी उच्च सदन की कार्यवाही को संचालित करने की जिम्मेदारी उनके पास होती है। संसद में सरकार और विपक्ष के बीच अक्सर टकराव की स्थिति बनती रहती है, ऐसे में उपराष्ट्रपति की भूमिका संतुलन बनाए रखने और कार्यवाही को सुचारु ढंग से चलाने में बेहद अहम होती है।

राजनीति में बढ़ेगा टकराव

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनाव के नतीजे भले ही पहले से अनुमानित हों, लेकिन चुनाव प्रचार के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होगा। विपक्ष इस मंच का इस्तेमाल सरकार की नीतियों और संसद में उसके रवैये पर हमला बोलने के लिए करेगा, जबकि भाजपा विपक्ष की कथित नाकामी और विभाजन को उजागर करने की कोशिश करेगी। आगामी दिनों में उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर दिल्ली की सियासत और गरमाने वाली है। 18 अगस्त को होने वाली INDIA ब्लॉक की बैठक में उम्मीदवार का नाम तय होते ही मुकाबले की तस्वीर साफ हो जाएगी। हालांकि भाजपा का संख्याबल इस पद पर उसकी जीत लगभग तय करता है, लेकिन विपक्ष भी इस चुनाव को अपने राजनीतिक संदेश और एकजुटता दिखाने का अवसर मान रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर मीट बैन का विवाद: ओवैसी और आदित्य ठाकरे ने फैसले को बताया असंवैधानिक

-खान-पान की आज़ादी बनाम प्रशासनिक परंपरा, महाराष्ट्र और तेलंगाना में तेज़ हुई बहस

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले महाराष्ट्र और तेलंगाना में मीट की दुकानें और बूचड़खाने बंद करने के आदेश ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। बीते कुछ दिनों में महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका, छत्रपति शिवाजी नगर पालिका प्रशासन और तेलंगाना के ओल्ड हैदराबाद सिटी के नगर निगम ने 15 अगस्त को मीट बिक्री और स्लॉटरहाउस संचालन पर रोक लगाने के आदेश जारी किए। प्रशासन का कहना है कि यह आदेश "राष्ट्रीय पर्व" के मद्देनज़र सफाई और अनुशासन बनाए रखने के उद्देश्य से दिया गया है, लेकिन कई राजनीतिक दल और नेता इसे अनावश्यक और असंवैधानिक बता रहे हैं।

ओवैसी का कड़ा विरोध

AIMIM प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को ओल्ड हैदराबाद सिटी नगर निगम के आदेश को "असंवैधानिक" करार दिया। उन्होंने कहा, "गोश्त खाने से 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस का क्या लेना-देना? यह लोगों की निजी पसंद और खान-पान की स्वतंत्रता का मामला है। इस तरह के आदेश संविधान के अनुच्छेद 21 और 19(1)(g) में प्रदत्त व्यक्तिगत अधिकारों और पेशे की स्वतंत्रता के खिलाफ हैं।" ओवैसी ने सवाल उठाया कि जब देश स्वतंत्रता की 78वीं वर्षगांठ मना रहा है, तो इस तरह के बैन के ज़रिए लोगों की निजी आदतों और रोज़गार में दखल देना स्वतंत्रता की भावना के विपरीत है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे आदेश सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दे सकते हैं और प्रशासन को इन्हें तुरंत वापस लेना चाहिए।

आदित्य ठाकरे ने दी सांस्कृतिक मिसाल

शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने भी इस फैसले पर नाराज़गी जताई। उन्होंने मीडिया से कहा, "हमारे घर में, यहां तक कि नवरात्रि पर भी हमारे प्रसाद में मछली होती है। यह हमारी परंपरा है, यह हमारा हिंदुत्व है। यह धर्म का मामला नहीं है और न ही यह राष्ट्रीय हित का मामला है।" आदित्य ठाकरे का तर्क था कि भारत जैसे विविधता-भरे देश में खान-पान को लेकर किसी एक धारणा को थोपना गलत है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का मकसद लोगों को एकजुट करना है, न कि उनकी व्यक्तिगत आदतों पर पाबंदियां लगाना।

महाराष्ट्र में भी उठी आवाज़ें

महाराष्ट्र में इस आदेश के खिलाफ विरोध तेज़ हो गया है। उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने भी कहा कि ऐसे फैसले से पहले जनता की भावनाओं और उनकी आजीविका पर असर को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि किसी भी तरह का बैन लगाने से पहले व्यापक चर्चा और सभी पक्षों से रायशुमारी होनी चाहिए।

प्रशासन का पक्ष

मीट बैन का आदेश जारी करने वाले प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि 15 अगस्त और 2 अक्टूबर जैसे राष्ट्रीय पर्वों पर मीट बिक्री और बूचड़खाने बंद रखने की परंपरा कई जगहों पर पहले से चली आ रही है। इसके पीछे स्वच्छता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और "राष्ट्रीय गौरव" का तर्क दिया जाता है। हालांकि, वे मानते हैं कि इस परंपरा को लेकर कानूनी या संवैधानिक बाध्यता नहीं है, बल्कि यह प्रशासनिक निर्देश के तौर पर लागू की जाती है।

कानूनी और सामाजिक बहस

इस मुद्दे ने एक बार फिर खान-पान की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत अधिकारों और राज्य के हस्तक्षेप की सीमा पर बहस छेड़ दी है। संवैधानिक विशेषज्ञों का कहना है कि अनुच्छेद 21 नागरिकों को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है, जिसमें खान-पान की स्वतंत्रता भी शामिल है। अनुच्छेद 19(1)(g) नागरिकों को पेशा और व्यवसाय करने की स्वतंत्रता देता है, जो मीट कारोबार से जुड़े लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। मीट बैन से न सिर्फ़ उपभोक्ताओं की स्वतंत्रता प्रभावित होती है, बल्कि मीट विक्रेताओं, कसाइयों, मछली विक्रेताओं और सप्लाई चेन से जुड़े हज़ारों लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ता है।

राजनीतिक संदेश और सामाजिक प्रभाव

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मीट बैन के आदेश अक्सर सांस्कृतिक या धार्मिक भावनाओं से जुड़े प्रतीकों के रूप में देखे जाते हैं। हालांकि, जब इन्हें राष्ट्रीय पर्व से जोड़ा जाता है, तो यह सवाल उठता है कि क्या राज्य किसी विशेष जीवनशैली को "राष्ट्रीयता" के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहा है।

दौसा में भीषण सड़क हादसा: खाटूश्याम से लौट रही पिकअप कंटेनर में घुसी

-11 श्रद्धालुओं की मौत, 10 से ज्यादा घायल

राजस्थान/दौसा। राजस्थान के दौसा जिले में बुधवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में 11 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और 10 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसा नेशनल हाईवे-148 पर सैंथल थाना क्षेत्र के बापी गांव के पास सुबह करीब 3:30 बजे हुआ, जब श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप सड़क किनारे खड़े कंटेनर में जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप के परखच्चे उड़ गए और उसमें बैठे कई लोग मौके पर ही दम तोड़ बैठे।

खाटूश्याम से लौट रहे थे सभी श्रद्धालु

एटा (उत्तर प्रदेश) के जिलाधिकारी प्रेमरंजन सिंह ने बताया कि असरौली गांव (एटा) से करीब 45 श्रद्धालु दो पिकअप में सवार होकर खाटूश्याम मंदिर के दर्शन करने गए थे। दर्शन करने के बाद बुधवार तड़के वे वापस लौट रहे थे। दो पिकअप में से एक पिकअप में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे सवार थे, जो बापी गांव के पास हादसे का शिकार हो गई।

मृतकों में 7 बच्चे भी शामिल

हादसे में मरने वालों में 7 बच्चे, 3 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। मृतक सभी उत्तर प्रदेश के एटा और फिरोजाबाद जिलों के रहने वाले थे। घायलों को तुरंत दौसा जिला अस्पताल और पास के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। कई की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

हादसे की वजह और मौके की स्थिति

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप तेज रफ्तार में थी और ड्राइवर को आगे खड़े कंटेनर का अंदाज़ा नहीं हो पाया। अंधेरा और हाईवे पर अपर्याप्त रोशनी के कारण ड्राइवर समय रहते ब्रेक नहीं लगा सका। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह दब गया और कई लोग उसमें फंस गए। स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर गैस कटर की मदद से वाहन का दरवाज़ा काटकर फंसे लोगों को बाहर निकाला।

प्रशासन और पुलिस की त्वरित कार्रवाई

हादसे की सूचना मिलते ही सैंथल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। जिला प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकार ने भी हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया।

मृतकों के परिजनों को मुआवज़ा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और गंभीर घायलों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। वहीं, राजस्थान सरकार ने भी घायलों के इलाज का पूरा खर्च वहन करने की बात कही है।

खाटूश्याम यात्रा में लगातार बढ़ रहे हादसे

खाटूश्यामजी मंदिर के दर्शन के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। खासकर सावन और अन्य धार्मिक अवसरों पर उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान समेत कई राज्यों से बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं। लंबे सफर और रात के समय ड्राइविंग के कारण हादसों की संख्या बढ़ जाती है। पिछले कुछ वर्षों में खाटूश्याम यात्रा से लौटते समय कई बड़े सड़क हादसे सामने आ चुके हैं।

रूस के सस्ते तेल का आम आदमी को फायदा नहीं:तेल कंपनियों की कमाई 25 गुना तक बढ़ी

-सरकार भी 46% टैक्स वसूल रही

मुंबई । बीते तीन सालों में भारत को रूस से सस्ते क्रूड ऑयल की आपूर्ति मिली है। इस दौरान कीमतों में प्रति बैरल 5 से 30 डॉलर तक का डिस्काउंट रहा। सुनने में यह आम आदमी के लिए बड़ी राहत की बात लग सकती है। लेकिन जब इस छूट के वास्तविक लाभ का आंकलन किया गया, तो सामने आया कि इसका अधिकांश फायदा तेल कंपनियों और सरकार को ही हुआ, जबकि आम जनता को इसका कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिला। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि भारत में तेल कंपनियां मुख्यतः दो तरह की हैं – सार्वजनिक और निजी। सार्वजनिक कंपनियों में इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिन्दस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियां शामिल हैं। निजी कंपनियों में रिलायंस, नायरा और अन्य प्रमुख रिफाइनरी कंपनियां शामिल हैं। जब रूस से तेल सस्ता आया, तो इसका फायदा सबसे पहले इन कंपनियों की कमाई में नजर आया। रिलायंस और नायरा जैसी निजी कंपनियों ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया। उनके रिफाइनरी प्रॉसेसिंग और बिक्री से उनकी कमाई 25 गुना तक बढ़ गई। सरकार भी इस प्रक्रिया से पीछे नहीं रही। भारत सरकार ने तेल पर 46 प्रतिशत टैक्स वसूला, जिससे सरकारी खजाने में भारी राशि जमा हुई। अगर लाभ के अनुपात को देखा जाए तो प्राइवेट और सरकारी तेल कंपनियों को 65 प्रतिशत लाभ मिला, जबकि सरकार को 35 प्रतिशत लाभ हुआ। आम आदमी के हिस्से में इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं आया। पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में कोई उल्लेखनीय गिरावट नहीं हुई। तेल के सस्ते होने के बावजूद ईंधन की खुदरा कीमतें वही बनी रही, जिससे जनता के लिए यह डिस्काउंट केवल एक आर्थिक आंकड़ा बनकर रह गया। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय राजनीति ने भी इस मुद्दे को और जटिल बना

दिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की। ट्रम्प ने इसे रूस से तेल की खरीद से जोड़ा। उनका कहना था कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे प्रोसेस करती हैं और फिर यूरोप और अन्य देशों में बेचती हैं। इसका मतलब साफ है कि अमेरिका ने भारत की इस आर्थिक गतिविधि को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और सुरक्षा नीति के नजरिए से देखा। ट्रम्प की यह कार्रवाई भारत के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। तेल की खरीद और बिक्री में अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ से भारत की अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, यह भी सवाल खड़ा करता है कि क्या भारत रूस-यूक्रेन युद्ध के मानवीय संकट को पूरी गंभीरता से देख रहा है। ट्रम्प ने सीधे तौर पर यह इशारा किया कि भारत को यह परवाह नहीं कि रूस के आक्रमण से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इस आलोचना से यह संकेत मिलता है कि तेल की खरीद में केवल आर्थिक लाभ और व्यापारिक रणनीति को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि मानवीय दृष्टिकोण गौण हो गया है। भारत में आम आदमी के लिए यह स्थिति निराशाजनक है। तेल का सस्ता होना सीधे तौर पर जनता की जेब पर असर डालता है। लेकिन पिछले तीन सालों का आंकड़ा दिखाता है कि पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया। इसका अर्थ साफ है कि तेल कंपनियों ने सस्ते तेल का फायदा अपने लाभ के लिए लिया, जबकि सरकार ने टैक्स के रूप में हिस्सा लिया। आम आदमी की दैनिक यात्रा, परिवहन और ऊर्जा खर्च में कोई राहत नहीं मिली। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की नीति में पारदर्शिता की कमी है। यदि सरकार वास्तव में जनता को फायदा पहुंचाना चाहती है, तो तेल की कीमतों में घटौती को सीधे तौर पर पेट्रोल और डीज़ल की रिटेल कीमतों में लागू किया जाना चाहिए था। इसके बजाय, सस्ता तेल केवल कंपनियों की लाभप्रदता और सरकारी राजस्व बढ़ाने का साधन बन गया। इसके अलावा, रूस से सस्ता तेल खरीदने का रणनीतिक पहलू भी जटिल है। यह केवल भारत के घरेलू आर्थिक लाभ या नुकसान तक सीमित नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इससे भारत की नीतियों पर सवाल उठते हैं। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों के लिए यह संकेत है कि भारत रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रख रहा है, चाहे युद्ध की मानवीय स्थिति कैसी भी हो। यह भविष्य में भारत की विदेश नीति और व्यापारिक समझौतों को प्रभावित कर सकता है। अंततः यह स्पष्ट है कि रूस के सस्ते तेल का लाभ भारत में आम आदमी तक नहीं पहुंचा। तेल कंपनियों की कमाई में वृद्धि और सरकारी राजस्व में इजाफा हुआ, लेकिन पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में कोई उल्लेखनीय कमी नहीं हुई।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कड़ी चेतावनी

-"दुश्मन एक बूंद पानी भी नहीं छीन सकता"

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में सिंधु जल संधि (Indus Waters Treaty) को लेकर भारत की ओर से उठाए गए कदमों पर कड़ी चेतावनी जारी की है। मंगलवार को राजधानी इस्लामाबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारत पाकिस्तान से एक बूंद पानी भी नहीं छीन सकता, और अगर ऐसा करने की कोशिश की गई तो पाकिस्तान उसे जिंदगीभर याद रहने वाला सबक सिखाएगा। शहबाज शरीफ के इस बयान को पाकिस्तान और भारत दोनों ही देशों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह बयान सिंधु जल संधि के स्थगन और पानी के मुद्दे पर बढ़ते तनाव के बीच आया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने पानी के अधिकारों को लेकर हमेशा सक्रिय और निर्णायक कदम उठाए हैं, और भविष्य में भी इसे पूरी दृढ़ता के साथ लागू करेगा।

सिंधु जल संधि: पृष्ठभूमि

सिंधु जल संधि 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित हुई थी। यह संधि दोनों देशों के बीच पानी के साझा उपयोग और वितरण के लिए बनाई गई थी। इसके तहत भारत को पूर्वी नदियों (सतलुज, भागल, रावी) का पानी इस्तेमाल करने की अनुमति है, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों (इंडस, झेलम, चेनाब) पर विशेष अधिकार प्राप्त हैं। हालांकि, समय-समय पर दोनों देशों के बीच जल संसाधनों को लेकर विवाद उठते रहे हैं। हाल ही में भारत की ओर से कुछ परियोजनाओं और बांधों के निर्माण ने पाकिस्तान में चिंता बढ़ा दी है। शहबाज शरीफ ने इसे पानी की राष्ट्रीय सुरक्षा पर खतरा बताते हुए इसे गंभीर मुद्दा करार दिया।

प्रधानमंत्री का कड़ा संदेश

शहबाज शरीफ ने कहा कि

पाकिस्तान कभी भी अपने जल संसाधनों पर समझौता नहीं करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी देश पाकिस्तान से पानी रोकने या छीनने की कोशिश करता है, तो उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उनके अनुसार यह सबक भारत के लिए जीवनभर याद रहने वाला होगा। उनकी भाषा में यह बयान केवल चेतावनी नहीं, बल्कि पाकिस्तान की सख्त नीति और सुरक्षा दृष्टिकोण का संकेत भी है। शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा अपने अधिकारों और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए पूरी शक्ति के साथ खड़ा रहेगा।

48 घंटे में 3 नेताओं की चेतावनी

शहबाज शरीफ के बयान से पहले, पाकिस्तान के अन्य शीर्ष नेताओं ने भी भारत को चेतावनी दी थी। केवल 48 घंटे के भीतर तीन प्रमुख पाकिस्तानी नेताओं ने यह संकेत दिया कि सिंधु जल संधि को लेकर किसी भी तरह का भारत का दबाव पाकिस्तान के लिए स्वीकार्य नहीं होगा। इन नेताओं ने कहा कि पानी का मुद्दा केवल सांस्कृतिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। उन्होंने भारत को चेताया कि किसी भी तरह की पानी रोकने की नीति पाकिस्तान के गुस्से और कड़े प्रतिकार का कारण बनेगी।

भारत-पाकिस्तान संबंधों पर प्रभाव

सिंधु जल संधि और पानी के मुद्दे पर बढ़ते तनाव से दोनों देशों के राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों पर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान की ओर से ऐसे कड़े बयानों का उद्देश्य न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करना है, बल्कि भारत के आंतरिक निर्णयों पर भी दबाव डालना है। भारत की दृष्टि से, सिंधु जल संधि एक कानूनी और द्विपक्षीय समझौता है। इसके तहत दोनों देशों के अधिकार और दायित्व निर्धारित हैं। हालांकि, पाकिस्तान की तरफ से यह बयान स्ट्रैटेजिक खेल और भविष्य में जल संसाधनों को लेकर तनाव बढ़ाने का संकेत माना जा सकता है।

पाकिस्तान की आंतरिक प्रतिक्रिया

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ के बयान का स्वागत किया गया। विपक्ष और मीडिया ने इसे राष्ट्रीय गौरव और संसाधनों की सुरक्षा की दिशा में निर्णायक कदम बताया। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि यह संदेश केवल भारत के लिए नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी पाकिस्तान की स्थिति समझाने वाला संकेत है। विशेषज्ञों का कहना है कि शहबाज शरीफ का यह बयान सिर्फ कूटनीतिक भाषा नहीं, बल्कि पाकिस्तान की जल नीति का स्पष्ट संकेत है। उनका मानना है कि पानी के मुद्दे पर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष भविष्य में बढ़ सकता है, और दोनों देशों को संयम और वार्ता के माध्यम से इसे हल करना चाहिए।

देश में 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते: 70% को सालभर में टीके

-तीन मंत्रालयों ने राज्यों को जारी की एडवायजरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ली-एनसीआर की सड़कों से आवारा कुत्तों को हटाकर शेल्टर होम ले जाने के आदेश के बाद देश में आवारा पशुओं को लेकर बहस तेज हो गई है।

इस बीच केंद्र सरकार ने आवारा कुत्तों और अन्य लावारिस पशुओं के कारण बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है। कई राज्यों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि आवारा कुत्तों के काटने और बेसहारा पशुओं के सड़क पर घूमने के कारण आम लोगों को चोट या नुकसान हो रहा है। ऐसे हालातों में तीन केंद्रीय मंत्रालयों ने मिलकर एक मास्टर एक्शन प्लान तैयार किया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, पंचायती राज मंत्रालय और मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की है। इसमें बताया गया है कि पूरे देश में लगभग 1.53 करोड़ आवारा कुत्ते हैं। इन आवारा कुत्तों में से 70 प्रतिशत का वैक्सीनेशन और नसबंदी अभियान के तहत एक साल के भीतर किया जाना लक्ष्य रखा गया है। इसका मुख्य उद्देश्य न केवल कुत्तों के काटने और उससे होने वाली बीमारियों जैसे रेबीज को रोकना है, बल्कि जनसुरक्षा और पशु स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित करना है। इस अभियान में पहली बार ग्राम पंचायतों को भी सीधे शामिल किया जाएगा। पंचायत स्तर पर पशु कल्याण समितियों और स्थानीय अधिकारियों के माध्यम से आवारा कुत्तों और अन्य बेसहारा पशुओं की संख्या का सही आंकलन करने, उन्हें सुरक्षित रूप से शेल्टर होम तक पहुंचाने और आवश्यक टीकाकरण तथा नसबंदी कराने की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके अलावा, राज्यों को एनिमल वेलफेयर बोर्ड और संबंधित एनजीओ की मदद लेने की सलाह दी गई है ताकि अभियान प्रभावी और व्यवस्थित तरीके से चले। सरकार ने 2019 की पशु गणना के आंकड़े भी साझा किए हैं। इसके अनुसार देश में लगभग 50 लाख बेसहारा पशु हैं, जिनमें गाय, भैंस, बकरी, घोड़े और अन्य घरेलू पशु शामिल हैं। ये पशु अक्सर खुले में घूमते हैं और सड़क पर दुर्घटनाओं या दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाओं में वृद्धि करते हैं। इस कारण से केंद्र सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि आवारा पशुओं के लिए व्यापक नीति और त्वरित कदम उठाना आवश्यक है। तीनों मंत्रालयों के अनुसार यह अभियान केवल शहरों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों में भी समान रूप से लागू होगा। इसका उद्देश्य केवल पशुओं को हटाना नहीं है, बल्कि उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा को भी सुनिश्चित करना है। इस नए मास्टर एक्शन प्लान के तहत राज्यों को यह निर्देश दिया गया है कि वे हर जिले में आवारा पशुओं की स्थिति का आंकलन करें, उनके लिए शेल्टर होम तैयार करें और वैक्सीनेशन एवं नसबंदी की प्रक्रिया को प्राथमिकता दें। राज्यों और स्थानीय प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अभियान के दौरान किसी भी पशु के प्रति क्रूरता न की जाए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,